7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 कंबल मिले खिल उठे चेहरे, अलाव जल रहे या नहीं, खुद जांचा
5 महाकुम्भ 2025
8 शास्त्री ने कप्तान के भविष्य पर दिया बयान

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 28 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 06 जनवरी, 2025

10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी आप–दा से घिरीः पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने आप सरकार पर बोला हमला

लाभार्थियों को फ्लैट की चाबी देते पीएम मोदी

नई दिल्ली । दिल्ली में फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी की कई विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसी क्रम में प्रधानमंत्री ने अशोक विहार स्थित स्वाभिमान अपार्टमेंट में झुग्गी–झोपड़ी पुनर्वास परियोजना के तहत लाभार्थियों को फ्लैटों की चाबियां सौंपी और इससे पहले उन्होंने लाभार्थियों से बातचीत की।

आप–दा सरकार दिल्ली में आयुष्मान योजना लागू नहीं होने दे रहीः पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि मैं तो दिल्ली वालों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने वाली श्आयुष्मान भारतश योजना का लाभ देना चाहता हूं। आप–दा सरकार को दिल्ली वालों से बड़ी दुश्मनी है। पूरे देश में आयुष्मान योजना लागू है, लेकिन इस योजना को आप–दा वाले यहां (दिल्ली) लागू नहीं होने दे रहे। इसका नुकसान दिल्ली वालों को उठाना पड़ रहा है।

10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी आप–दा से घिरीः पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि बीते 10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी श्आप–दाश से घिरी है। अन्ना हजारे जी को सामने करके कुछ कट्टर बेईमान लोगों ने दिल्ली को आप–दा में धकेल दिया। शराब के ठेकों में घोटाला, बच्चों के स्कूल में घोटाला, गरीबों के इलाज में घोटाला, भर्तियों के नाम पर घोटाला... ये लोग दिल्ली के विकास की बात करते थे, लेकिन ये लोग आप–दा बनकर दिल्ली पर टूट पड़े हैं।

विकसित भारत बनाने में हमारे शहरों की बहुत बड़ी भूमिका

पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत बनाने में बहुत बड़ी भूमिका हमारे शहरों की है। जहां दूर–दूर से लोग सपने लेकर आते हैं और बड़ी ईमानदारी से उन सपनों को पूरा करने में जिंदगी खपा देते हैं। इसलिए केंद्र की भाजपा सरकार शहरों में रहने वाले हर परिवार को क्वालिटी ऑफ लाइफ देने में जुटी है।

शीश महल का जिक्र कर पीएम मोदी ने अरविंद केजरीवाल पर साधा निशाना

पीएम मोदी ने कहा कि देश भाली–भांति जानता है कि मोदी ने कभी अपने लिए घर नहीं बनाया है। लेकिन बीते 10 वर्षों में चार करोड से अधिक गरीबों को घर देकर उनका सपना पूरा किया है। मैं भी कोई शीश महल बना सकता था, लेकिन मेरे लिए तो मेरे देशवासियों को पक्का घर मिले यही एक सपना था। मैं आप सबको भी कहता हूं कि आप जब भी लोगों के बीच जाएं लोगों से मिले और अभी भी जो लोग झुग्गी झोपड़ी में रहते हैं, मेरे तरफ से उनको वादा करके आना, मेरे लिए आप ही मोदी हैं, आप वादा करके आना आज नहीं तो कल उनके लिए पक्का मिलेगा।

यह वर्ष क्वालिटी आफ लाइफ बढ़ाने का होगाः पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि ये वर्ष विश्व में भारत में अंतरराष्ट्रीय छवि को और सशक्त करने का होगा। ये वर्ष भारत को दुनिया का बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने का वर्ष होगा। ये वर्ष युवाओं को नए स्टार्टअप और एंटरप्रेन्योरशिप में आगे बढ़ाने का होगा। ये वर्ष कृषि क्षेत्र में नए कीर्तिमानों का होगा। ये वर्ष ईज ऑफ लिविंग और क्वालिटी ऑफ लाइफ बढ़ाने का होगा।

पीएम मोदी ने अशोक विहार से अपना जुड़ाव बताया

पीएम मोदी ने स्वाभिमान अपार्टमेंट योजना के तहत लाभार्थियों को फ्लैट की चाबी देने के बाद कहा कि यह आपकी नई शुरुआत है। बोले, किराये की जगह अपना घर... यह शुरुआत ही तो है। यह आत्म सम्मान का घर है। यह नई आशाओं और नए सपनों का घर है। मैं सभी की खुशियों में आपके उत्सव का हिस्सा बनने ही मैं आज यहां आया हूं। आज जब यहां आया तो काफी पुरानी यादें ताजा होना बहुत स्वभाविक है। आप में से शायद कुछ लोगों को पता होगा जब आपातकाल का समय था, देश इंदिरा गांधी के तानाशाही रवैये के खिलाफ लड़ रहा था। उस समय मेरे जैसे बहुत साथी अंदरग्राउंड मूवमेंट का हिस्सा थे। उस समय आशोक विहार मेरे रहने का स्थान हुआ करता था।

2025 अनेक संभावनाओं को लेकर आ रहा हैः पीएम मोदी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने लोगों की नववर्ष की शुभाकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि साल 2025 अनेक संभावनाओं को लेकर आ रहा है। दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ हमारी यात्रा इस वर्ष और तेज होने वाली है। आज भारत दुनिया में राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक बना है। 2025 में भारत की यह भूमिका और सशक्त होगी।

पीएम मोदी ने लाभार्थियों को सौंपी फ्लैट की चाबियां

पीएम मोदी ने कार्यक्रम के दौरान स्वाभिमान अपार्टमेंट में झुग्गी–झोपड़ी पुनर्वास परियोजना के तहत लाभार्थियों को फ्लैटों की चाबी सौंपी। दिल्ली के एलजी विनय कुमार सक्सेना, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, मंत्री तोखन साहू आदि नेता मंच पर मौजूद रहे।

गोरखपुर में परियोजना का शुभारंभ

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राप्ती नदी में गिरने वाले नालों के प्राकृतिक विधि (फाइटोरेमिडीएशन तकनीकी) से जल शोधन की 2 करोड़ 70 लाख रुपये की नगर निगम की परियोजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्राकृतिक विधि से जल शोधन से नदी की शुद्धि के साथ करोड़ों रुपये की बचत भी होगी। इसमें न तो बिजली का खर्च आएगा और न ही मेंटिनेंस का। तकियाघाट पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर में राप्ती नदी अविरल एवं निर्मल रहे, उसका जल स्वच्छ एवं सुदर रहे, इसके लिए जो प्रयास नगर निगम ने किया है वह सराहनीय है। यह बहुत बड़ा काम हुआ है। यह कार्य उर्वरता और जीवन को बचाने के लिए हुआ है। सीएम ने कहा कि महापुरूषों ने जल को जीवन माना है। प्रदूषित जल के कारण गोरखपुर के साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश में 1977 से लेकर 2017 तक 50 हजार मासूम बच्चे इंसेफेलाइटिस एवं वेक्टरजनित बीमारियों के कारण काल के गाल में समा गए। विषाणुजनित बीमारियों से होने वाली मौतों का कारण प्रदूषित जल और गंदगी था। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से स्वच्छ भारत मिशन पूरे देश में लागू हुआ। हर व्यक्ति को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के लिए शहरी क्षेत्र में अमृत मिशन और ग्रामीण क्षेत्र में जल जीवन मिशन प्रारंभ हुआ। हर घर नल योजना के माध्यम से घर–घर तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का कार्य किया गया।

पीएम मोदी की प्रेरणा से प्रारंभ हुआ नदी संस्कृति को बचाने का कार्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज नामामि गंगे परियोजना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से नदी संस्कृति को बचाने का कार्य प्रारम्भ किया गया है। आज उसका परिणाम है कि दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक व आध्यात्मिक समागम उत्तर प्रदेश की धरती प्रयागराज में मां गंगा, यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी पर महाकुम्भ के रूप में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर में भी हमारी सभ्यता एवं संस्कृति नदी के तट पर बसी है। गोरखपुर राप्ती नदी व रोहिन नदी के तट पर बसा है। जो नदी हमारी सभ्यता व संस्कृति की जननी है, उसे शुद्ध करने का कार्य किया जा रहा है।

350 था बीओडी लेवल, अब 22 हुआ

मुख्यमंत्री ने कहा कि राप्ती नदी में प्रदूषित पानी गिरने के कारण पहले नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल नगर निगम पर लगातार जुर्माना कर रहा था। नगर निगम ने 110 करोड़ रुपये की लागत से एसटीपी बनने की तैयारी की थी, तब हमने कहा कि जल शोधन के लिए प्राकृतिक तरीका अपनाया जाए। आज उसका सुखद परिणाम सबके सामने है। पहले यहां पानी का बीओडी (बायो केमिकल ऑक्सीजन डिमांड) लेवल 350 तक पहुंच गया था और खतरनाक जहर से भी बदतर होकर वह खेतों में सिंचाई के लायक भी नहीं था। प्राकृतिक विधि से जल शोधन के बाद अब बीओडी लेवल शुद्ध स्थिति में आ गया है। इस परियोजना में अंतिम छोर पर गिरने वाले पानी का बीओडी लेवल 22 आया है।

सिर्फ एक बार का खर्च और फिर बचत ही बचत

सीएम योगी ने कहा कि प्राकृतिक विधि से जल शोधन की इस परियोजना में सिर्फ एक बार 2 करोड़ 70 लाख रुपये लगे हैं और अब इससे करोड़ों रुपये की बिजली और मेंटिनेंस खर्च की बचत होगी। उन्होंने कहा कि इस विधि को और भी अच्छे ढंग से आगे बढ़ा सकते हैं। यह सतत विकास का एक मॉडल है। इसको हम हर नाले के साथ जोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी ड्रेनेज और सीवर से जुड़े हुए जितने भी नाले हैं, उन सबको इसी रूप में आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे तो एक प्राकृतिक मॉडल के माध्यम से कम खर्चे में बेहतर परिणाम देकर जीवन की सबसे बुनियादी आवश्यकता जल की शुद्धता को बनाये रखने में हम सफल हो पायेंगे। समारोह को महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव और विधायक विपिन सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर भाजपा के महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक भोला अग्रहरि, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

नाले के शोधन कार्य का सीएम योगी में लिया जायजा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को नगर निगम की प्राकृतिक विधि (फाइटोरेमिडीएशन तकनीकी) से जल शोधन परियोजना का शुभारंभ करने से पूर्व इसका जायजा भी लिया। उन्होंने प्रोजेक्ट की डिजाइन का अवलोकन करने के साथ मौके पर जाकर शोधित जल की स्थिति भी देखी।

सीएम योगी ने शूटिंग रेंज में राइफल से लक्ष्य पर साधा निशाना

गोरखपुर में मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके शूटिंग रेंज में राइफल से लक्ष्य पर निशाना भी साधा। उनकी सटीक निशानेबाजी देख साथ में मौजूद लोग हतप्रभ रह गए।

निशाना साधते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ –

गोरखपुर। गोरखपुर में मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके शूटिंग रेंज में राइफल से लक्ष्य पर निशाना भी साधा। उनकी सटीक निशानेबाजी देख साथ में मौजूद लोग हतप्रभ रह गए। गोरखपुर के भाटी विहार कॉलोनी में नवनिर्मित मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके शूटिंग रेंज में राइफल से लक्ष्य पर निशाना भी साधा। उनकी सटीक निशानेबाजी देख साथ में मौजूद लोग हतप्रभ रह गए। मुख्यमंत्री ने पहली ही बार में 'बुल्स आई' टारगेट कर दिया, यानी सौ फीसद सटीक लक्ष्य पर ही निशाना। मुख्यमंत्री की खेलों के प्रति खासी दिलचस्पी है। इसमें भी पारंपरिक भारतीय खेलों के साथ निशानेबाजी से उनका लगाव कई बार सार्वजनिक देखा जाता है, जब भी वह सैन्य प्रदर्शनियों और खेल एकेडमी या खेल केंद्रों में जाते हैं तो निशानेबाजी के अभ्यास से खुद को नहीं रोक पाते। गोरखपुर के भाटी विहार कॉलोनी में मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री जब मल्टीपर्पज हाल में बने शूटिंग रेंज में आए तो उन्होंने दस मीटर रायफल शूटिंग के रेंज पर निशानेबाजी में हाथ आजमाया। उनका पहला शॉट ही बुल्स आई रहा। उनके सटीक निशाने पर वहां मौजूद सभी लोग आश्चर्यचकित होकर मुस्कराने लगे।

सीएम योगी से मिले मंत्री आशीष पटेल, दोनों की बीच आधे घंटे हुई वार्ता, मिली ये सलाह

लखनऊ। राजधानी में मंत्री आशीष पटेल शुक्रवार की देर शाम सीएम योगी से मिले। दोनों की बीच करीब आधे घंटे तक वार्ता हुई। मंत्री आशीष ने सीएम आवास पहुंचकर मुलाकात की। राजधानी लखनऊ में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। दोनों के बीच करीब आधे घंटे तक बातचीत हुई। शुक्रवार देर शाम सीएम के गोरखपुर से लौटने के बाद मंत्री आशीष पटेल सीएम आवास पहुंचे थे। सूत्रों के मुताबिक सीएम ने आशीष से मामले की पूरी जानकारी ली है। उन्हें उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया है। साथ ही सीएम योगी ने आशीष को आगे से किसी भी तरह की बयानबाजी से बचने की सलाह भी दी है।

हम साजिशों से डरने वाले नहीं हैं-अनुप्रिया

दरअसल, पिछले कई दिनों से पॉलीटेक्निक संस्थाओं में विभागाध्यक्ष के पद पर पदोन्नति का मुद्दा तूल पकड़ रहा है। इस पर दो दिन पहले अपना दल (एस) की अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने आक्रामक रूप से पल्लवी पटेल पर हमला बोला। अनुप्रिया ने कहा कि हम साजिशों से डरने वाले नहीं हैं।

मेरे सीने में गोली मार लें

वहीं आशीष पटेल ने कहा कि मेरे खिलाफ षडयंत्र करने वालों में हिम्मत है, तो मुझे बदनाम कराने की साजिश रचने वाले पैर के बजाए मेरे सीने में गोली मार लें। दोनों नेताओं ने कहा कि किसी कार्यकर्ता के साथ साजिश बर्दाश्त नहीं करेंगे और मुंहतोड़ जवाब देंगे। कहा कि ऐसी साजिशों का जवाब संगठन की ताकत से दिया जाएगा ।

सम्पादकीय

आर्थिक चुनौतियों का होगा नया साल

बुधवार को जिस 2025 का आगाज हुआ है उसमें अनेक तरह की आर्थिक चुनौतियां होंगी। जिस तरह से महंगाई बढ़ी है

जिस 2025 का आगाज हुआ है उसमें अनेक तरह की आर्थिक चुनौतियां होंगी। जिस तरह से महंगाई बढ़ी है तथा केन्द्र सरकार के पास उसे कम करने व लोगों को रोजगार देने की कोई ठोस योजना नहीं है, उससे साफ है कि आमजन के लिये यह साल पहले से कहीं अधिक कष्टप्रद होगा। वर्ष 2024 के आखिरी दिन कांग्रेस ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के जो आंकड़े उद्धृत किये हैं, वे भारतीय अर्थव्यवस्था की भयावह तस्वीर पेश करने के लिये काफी हैं। कहने को तो ये आंकड़े गोल्ड लोन लेकर अथवा गहने गिरवी रख या बेचकर घर चलाने के सम्बन्ध में हैं, जिसे एक तरह से सीमित विषय पर केन्द्रित कहा जा सकता है, परन्तु देश की जो सामाजिक व्यवस्था है उसमें घर खर्च चलाने के लिये सोना गिरवी रखना अथवा बेचना आम आदमी का अंतिम उपाय माना जाता है। ऐसा करना लोगों की बदहाली व मजबूरी का द्योतक है। असली बात यह है कि ऐसी तमाम परिस्थितियों को सिरे से खारिज करने की आदी भारतीय जनता पार्टी की सरकार यह नहीं बतलाती कि वह जनता को इस हालत से बाहर निकालने के लिये क्या करने जा रही है।

कांग्रेस ने मंगलवार को आरबीआई के आंकड़ों का हवाला देते हुए एक्स पर पोस्ट कर बताया है कि श्देश की अर्थव्यवस्था डांवाडोल है। लोगों के पास कमाई के साधन नहीं हैं और उन्हें घर चलाने के लिये गहने गिरवी रखकर कर्ज लेना पड़ रहा है। इसके बाद भी स्थिति सुधर नहीं रही। वे कर्ज नहीं चुका पा रहे हैं।श बकौल कांग्रेस, आरबीआई ने जो तथ्य दिये हैं उनमें प्रमुख हैं–गोल्ड लोन के डिफाल्टर के मामले मार्च 2024 से जून 2024 तक 30 फीसदी बढ़ गये, कमर्शियल बैंकों में डिफाल्टर मामलों में 62 प्रतिशत का इजाफा तथा बीते वर्ष के पहले 7 महीनों में कर्ज लेने के मामलों में 50 प्रश की वृद्धि। कांग्रेस की इस बात में दम है कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आम जनता की परेशानियों से कोई फर्क नहीं पड़ रहा। वे देश की अर्थव्यवस्था को सम्भालने में पूरी तरह से नाकाम हो चुके हैं।

इसमें कोई शक नहीं कि सोना गिरवी रखना या बेचना माली हालत का सबसे बड़ा सूचकांक माना जाता है– फिर वह चाहे व्यक्ति हो या देश। इस लिहाज से कहा जा सकता है कि देश की हालत बहुत खराब है। मुल्क की जो स्थिति हैं वह साफ बतला रही है कि यदि लोगों को सोना बेचना पड़ रहा है या वे उसे गिरवी रखकर घर का खर्च चला रहे हैं तो इसका अर्थ है कि उनकी आमदनी काफी घटी है। दूसरे, महंगाई का जो आलम है वह भी सर्वत्र दिख पड़ता है। साग–सब्जियों से लेकर खाने–पीने की वस्तुएं तथा तमाम उपभोक्ता सामग्रियां लगातार महंगी होती जा रही हैं। कोई भी ऐसा महीना नहीं आता जिसमें किसी भी वस्तु के दाम घटने की खबर मिलती हो। ऊपर से, तमाम तरह की सामग्रियां, सेवाएं या उत्पाद जीएसटी के दायरे में लाई जा चुकी हैंय और जो नहीं लाई गयी थीं, वे भी लाई जा रही हैं। यहां तक कि बहुत बुनियादी जरूरतों की सामग्रियों या सेवाएं तक लगातार महंगी होती जा रही हैं, जिनमें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, दवाएं, पेट्रोल–डीजल, रसोई गैस आदि शामिल हैं। यहां तक कि किसानों के लिये जरूरी कृषि उपयोगी वस्तुएं, उपकरण, खाद आदि सभी कुछ महंगा होता जा रहा है।

वैसे भी मोदी सरकार का सारा ध्यान और अनुराग उच्च वर्गों के लिये हैं। सामान्य दर्जे की ट्रेनों की बजाये उसकी दिलचस्पी महंगी ट्रेनें (वंदे भारत, बुलेट ट्रेन आदि) चलाने में हैं। लोगों की जेब पर जिस तरह से बोझ बढ़ता जा रहा है उनके पास सोना गिरवी रखने या बेचने के अलावा और कोई उपाय नहीं रह जाता। हर किसी के पास इतनी जमा–पूंजी नहीं रहती कि वह वर्षों तक महंगाई को झेल सके। न ही हर किसी के पास जमीनें होती हैं। मकान सभी के लिये जरूरी होता है पर पाया गया है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान जनजीवन जैसा महंगा हुआ है, लोग मकान बेचकर छोटे शहरों या सस्ते आवासों वाली बस्तियों में जा रहे हैं। घरों में थोड़ा–बहुत सोना रखने का रिवाज होता है लेकिन इन दिनों यह कोई मकान बनाने, हारी–बीमारी अथवा शादी–ब्याह के लिये नहीं बेचा या गिरवी रखा जा रहा है बल्कि ऐसा दैनंदिन खर्च चलाने के लिये हो रहा है। ऋ ण भुगतान की किश्तें भरनी कठिन हो गयी हैं। लोग तेजी से डिफाल्टर होते जा रहे हैं। नवम्बर 2016 में जब मोदी ने एक सनकपूर्ण और गलत निर्णय के अंतर्गत नोटबन्दी कर दी थी, तभी हाल ही में दिवंगत हुए पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने भविष्यवाणी कर दी थी कि इससे भारत की इकानॉमी तबाह हो जायेगी। वैसा ही हुआ। रही–सही कसर कोरोना ने पूरी कर दी जिसमें लोगों की जमा–पूंजी तो स्वाहा हुई ही, बड़ी संख्या में लोग बेरोजगार हुए। सामान्य जनता की स्थिति इसलिये भी दयनीय हो गयी है क्योंकि भारत सरकार के पास लोगों के सशक्तिकरण की योजना ही नहीं हैं। हर वर्ष दो करोड़ लोगों को रोजगार देने तथा किसानों की आय दोगुना करने का वादा करने वाली सरकार नयी भर्तियां करना तो दूर रिक्त पद तक नहीं भर पा रही है। मोदी पिछले लोकसभा चुनाव में यह कहकर जनता को डरा रहे थे कि श्यदि कांग्रेस सत्ता में आयी तो वह लोगों के गहने अल्पसंख्यकों को दे देगी। उनका वह कहना तो ध्रुवीकरण की चाल थी, लेकिन आज उनकी सरकार ही गरीबों के गहने छीन रही है।

लिखेंगे नई कहानी

भारतीय राजनीति में स्थिरता के संकेत हैं, बावजूद इसके कि 2024–25 की दूसरी तिमाही में आर्थिक विकास 5.4: पर है। भारत की ळक्च में तेज वृद्धि का अनुमान है। रोजगार और स्वास्थ्य के क्षेत्र में चुनौतियां जारी हैं। अंतरराष्ट्रीय मामलों में, खासकर चीन के साथ, सुधार की उम्मीदें हैं। साल 2024 को अलविदा कहने के बाद 2025 की ओर देखते हुए हम इस बात पर राहत और सुकून महसूस कर सकते हैं कि आगे की राह चुनौतियों से खाली भले न हो, पर उम्मीद और विश्वास के दीप उसे रोशन कर रहे हैं। राजनीतिक स्थिरता – 2024 में हुए लोकसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद राजनीतिक अस्थिरता की जो आशंका बनी थी, साल के अंत तक वह खत्म हो गई। हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के नतीजों ने जाहिर कर दिया कि ठश्रच का दबदबा बना हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता बनी हुई है और इस बीच पार्टी ने कहा कि वह पीएम के तौर पर अपना तीसरा कार्यकाल भी पूरा करेंगे।

विकास की निरंतरता – जहां तक देश के आर्थिक विकास की रफ्तार का सवाल है तो यह सही है कि हाल में इसमें थोड़ी कमी आई है। साल 2024–25 की दूसरी तिमाही में यह 5.4 फीसदी पर आ गई जो पिछली सात तिमाहियों का सबसे निचला स्तर है। लेकिन गौर करने की बात है कि यह चुनावी साल था। लिहाजा सरकारी खर्च में कमी एक बड़ा फैक्टर रही। जानकार मानते हैं कि तीसरी और चौथी तिमाहियों में यह रफ्तार तेज होगी। वैसे भी रिजर्व बैंक का अनुमान है कि 2024–25 में देश की सालाना बढ़ोतरी दर 6.6 फीसदी रहेगी, जो दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे ज्यादा है। खास बात यह कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (प्डथ्) के मुताबिक 2025 में भारत जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकॉनमी बन सकता है।

रोजगार, स्वास्थ्य की चुनौतियां – विकास के बावजूद कई मोर्चों पर देश में चुनौतियां भी हैं। जॉबलेस ग्रोथ का आरोप भले पूरी तरह सच न हो, लेकिन युवाओं के लिए अच्छी नौकरी ढूंढना एक गंभीर समस्या है। आयुष्मान भारत स्कीम अच्छी योजना है, लेकिन उसके दुरुपयोग की खबरें भी आती रहती हैं। वहीं, इंश्योरेंस रेग्युलेटर प्त्क।प् की हाल में आई रिपोर्ट बताती है कि साल 2023–24 के दौरान हेल्थ इंश्योरेंस के 71.3 फीसदी दावे ही सेटल किए गए। जाहिर है नियामक को इसे गंभीरता से लेना होगा।

अंतरराष्ट्रीय संबंध – जुड़ा विवाद सुलझा लिए जाने के बाद अब नए साल में चीन के साथ रिश्तों में बेहतरी की उम्मीद बढ़ गई है। बांग्लादेश के हालात जरूर भारत के लिए कुछ चुनौती पेश कर रहे हैं, अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप की नीतियों को लेकर भी कुछ आशंकाएं हैं, फिर भी कुल मिलाकर साल 2025 युद्ध के बजाय शांति की संभावनाओं को मजबूती देता दिख रहा है। सो, आइए खुले दिल से और पूरे यकीन से कहें– हैपी न्यू ईयर।

नया साल, कई सवाल

तेजी से बदलती दुनिया में बहुत सी परंपराएं, मान्यताएं रिवाज, उत्सव मनाने के तरीके भी बदलते जा रहे हैं

तेजी से बदलती दुनिया में बहुत सी परंपराएं, मान्यताएं, रिवाज, उत्सव मनाने के तरीके भी बदलते जा रहे हैं। हालांकि नए साल के आगमन और स्वागत का जोश वैसा ही बरकरार है, बल्कि अब उसमें कुछ और इजाफा हो गया है। पहले दीवारों पर लगे कैलेंडरों के बदलने और नए साल के आने पर काफी दार्शनिक किस्म की बातें होती थीं, अब भी होती हैं, लेकिन अब दीवारों से कैलेंडर गायब होते जा रहे हैं। मोबाइल और स्मार्ट वॉच ने कैलेंडरों की उपयोगिता सीमित कर दी है। वैसे कैलेंडर तो साल में एक बार बदला जाता है, मोबाइल और स्मार्ट वॉच बदलने के लिए साल का इंतजार नहीं करना पड़ता। उनका नया संस्करण जब आ जाए और जेब जब इजाजत दे दे, शौकीन लोग इन्हें भी कपड़ों की तरह बदल लेते हैं। उपभोक्तावाद बिन बुलाए मेहमान की तरह जिंदगी के हर पहलू में अपनी दखलंदाजी कर चुका है। नए साल के जश्न में भी इसी उपभोक्तावाद के दर्शन होते हैं। जिसकी जेब जितनी भारी होती है, उतनी खातिरदारी वह नए साल की करता है।

अब विचारणीय पहलू यह है कि आखिर हर साल के आखिरी दिन रात 12 बजने के 10 सेंकड पहले दीवानों की तरह दस, नौ, आठ, सात की उल्टी गिनती पढ़कर घड़ी की दोनों सुइयों को एक जगह टिका देखते हुए या मोबाइल पर शून्य, शून्य, शून्य, शून्य देखकर जो हैप्पी न्यू ईयर का नाद किया जाता है, उसके ठीक अगले ही पल से हमारी जिंदगी में क्या बदलाव आ जाता है। समय अपनी चाल से चलता है, 12 बजकर एक मिनट होते हैं, लोग एक–दूसरे को बधाइयां देते हैं कि उन्होंने अपनी जिंदगी का एक साल और देख लिया। इसके बाद कुछ लोग रात भर जश्न मनाते हैं और नए साल की दोपहर को उनकी सुबह होती है। कुछ लोग अपने–अपने ईश्वर को याद करके आभार व्यक्त करते हैं। व्हॉट्सऐप के इस दौर में नए साल पर शुभकामना संदेशों का आदान–प्रदान थोक में होता है। नए साल के लिए नयी प्रतिज्ञाएं, नए सिरे से बहुत से लोग लेते हैं, ताकि उनकी जिंदगी में बेहतर बदलाव आ सके।

दरअसल नए साल की सार्थकता इसी में है कि हम जहां थे, वहां से कुछ आगे बढ़ सकें। जैसा कवि भवानी प्रसाद मिश्र ने लिखा था,

कुछ लिख कर सो, कुछ पढ़ कर सो,
तू जिस जगह जागा, उस जगह से बढ़कर सो।

लेकिन अभी हम दुनिया पर निगाह दौड़ाएं या देश को ही देख लें, तो लगता है कि आगे बढ़ने की तमन्ना होने के बावजूद पैर पीछे की तरफ ही सरक रहे हैं। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध थमा नहीं है, इजरायल फिलीस्तीन में जो नरसंहार कर रहा है, उसे रोकने की कोई कोशिश नहीं हो रही। अमेरिका की सत्ता में चेहरे बदल गए, लेकिन नीतियां वही हैं। पूरी दुनिया में कट्टरपंथ, नफरत, लालच के लिए अधिक जगह बनती जा रही है। नैतिक मूल्यों और विचारों के लिए जगह कम हो गई है। भारत भी इनमें अछूता नहीं है।

गुजरे साल कई नामी–गिरामी हस्तियों ने दुनिया से विदा ली। उद्योगपति रतन टाटा, तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन, निर्देशक श्याम बेनेगल, मलयाली लेखक एमटी वासुदेवन और हाल ही में पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह का निधन 2024 में हुआ। संस्कार कहते हैं कि मौत पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। लेकिन बीते साल के आखिरी दिनों में भारत ने यह भी मुमकिन होते हुए देख लिया। डा. सिंह की अंत्येष्टि से लेकर उनके अस्थि विसर्जन तक आरोप–प्रत्यारोप का खेल चला। भाजपा सरकार ने ससम्मान डा. सिंह का अंतिम संस्कार नहीं होने दिया, ऐसे आरोप लगे तो बदले में भाजपा ने कांग्रेस पर सवाल उठाए कि उसका कोई बड़ा नेता अस्थि विसर्जन में शामिल क्यों नहीं हुआ। नए साल पर क्या राजनीति के इस ओछेपन से देश को मुक्ति मिल पाएगी।

सवाल यह भी है कि क्या नए साल में युवाओं के लिए नयी उम्मीदें बाकी रहेंगी या अब उम्मीद पालने, सपने देखने को भी जीएसटी के दायरे में लाया जाएगा। क्या महंगाई से लोगों को राहत मिलेगी, क्या किसानों को सरकार इस नए साल में एमएसपी देगी।

महिलाएं, दलित, आदिवासी, मजदूर, गरीब क्या इन वर्गों के लिए घोषणापत्रों के अलावा भी सम्मान की जगह बन पाएगी। देश को कितने ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है, क्या इसका आकलन वास्तविक स्थिति और रुपए की कीमत के आधार पर किया जाएगा या मनमाने दावे किए जाते रहेंगे। देश की संवैधानिक संस्थाओं, न्यायपालिका की साख और उसके लिए निर्णयों की कद्र क्या नए साल में होगी या पहले की तरह बुलडोजर, कुदालों और फावड़ों का इंसाफ चलेगा।

ढहाने और खोदने की राजनीति में हम गड्ढों में धर्म को तलाश रहे हैं या धर्म को गड्ढे में धकेल रहे हैं, क्या इस पर कोई विमर्श नए साल में होगा। एक आखिरी सवाल 2014 से 2024 तक दस साल में जो अच्छे दिन नहीं आ पाए, क्या 2025 के 365 दिनों में कभी कोई दिन अच्छे दिनों वाला दिखेगा। बहरहाल, उम्मीद पर दुनिया कायम है और इसी उम्मीद पर नया साल भी टिका है।

खोखलेपन से बचा रहे नया साल

खुशी का कोई पैमाना नहीं होता। कोई इंसान एक छोटे से घर में सीमित सामान के साथ भी खुश रह सकता है और किसी को 27 मंजिला घर या देश की आधी से अधिक संपत्ति हासिल करने के बाद भी कुछ और मिल जाए, ऐसी चाह रहती है। हालांकि आम इंसान के लिए तो खुशियां तभी अंतहीन हो सकती हैं, जब उसे रोजमर्रा की जरूरतों के लिए जूझना न पड़े। नौकरी पर तलवार लटकती न दिखे, बच्चों को पढ़ने और खेलने के पूरे मौके मिलें। नए साल की शुभकामनाएं देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट अंग्रेजी में लिखी है, जिसका अनुवाद है– 2025 की शुभकामनाएं, यह वर्ष सभी के लिए अवसर, सफलता और अंतहीन खुशियां लेकर आए। सभी को अच्छी सेहत और समृद्धि का आशीर्वाद मिले।

लोकसभा चुनावों के पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एक साक्षात्कार में कहा था कि वे खुद में दैवीय अंश महसूस करते हैं। उन्हें लगता है कि वे सामान्य लोगों की तरह जैविक गुण नहीं बल्कि अलौकिक शक्तियों से संपन्न हैं। ऐसा दावा करने का मनोबल उन्हें लगातार सत्ता में बने रहने से मिला, या किसी और वजह से, यह तो पता नहीं। लेकिन नए साल पर उनके शुभकामना संदेश को देखने से ऐसा ही लगता है कि वे खुद में अगर भगवान का अंश देखते हैं, तो उसी रौ में वे देश को भगवान भरोसे छोड़कर ही सत्ता पर बैठे हुए हैं। लोगों के जीवन में सुख, समृद्धि, सेहत बनी रहे, ऐसी शुभकामना देने में कोई हर्ज नहीं है। सवाल यह है कि क्या केवल किसी के कह देने से ये सारी बातें जीवन में सच हो जाएंगी। नए साल पर दुनिया भर के लोग अपने–अपने ईश्वरों को याद करते हैं। अपने देश में भी साल के पहले दिन मंदिरों में भीड़ उमड़ी रही। लोगों ने पूरे साल के अच्छे से गुजरने, नौकरी मिलने, परीक्षा में सफलता मिलने, बीमारी के इलाज की या इसी तरह की अन्य ख्वाहिशों के पूरा होने की प्रार्थना की होगी। हर साल ऐसा ही होता है। मगर क्या इससे सबकी कामनाएं पूरी हो जाती हैं। ईश्वर किस तरह से आशीर्वाद देता है, ये कोई नहीं बता सकता। लेकिन जिन शुभकामनाओं को श्री मोदी ने अपने ट्वीट में व्यक्त किया है, वे तभी पूरी होंगी, जब सरकारें उस दिशा में काम करेंगी।

खुशी का कोई पैमाना नहीं होता। कोई इंसान एक छोटे से घर में सीमित सामान के साथ भी खुश रह सकता है और किसी को 27 मंजिला घर या देश की आधी से अधिक संपत्ति हासिल करने के बाद भी कुछ और मिल जाए, ऐसी चाह रहती है। हालांकि आम इंसान के लिए तो खुशियां तभी अंतहीन हो सकती हैं, जब उसे रोजमर्रा की जरूरतों के लिए जूझना न पड़े। नौकरी पर तलवार लटकती न दिखे, बच्चों को पढ़ने और खेलने के पूरे मौके मिलें, युवाओं को बेरोजगार होने या सिफारिश अथवा बेईमानी से दूसरों को आगे निकलते देखने पर कुंठा का शिकार न होना पड़े, बुजुर्गों को जीवन के उत्तरार्द्ध में पहुंचकर भी सम्मान के साथ जीने मिले, स्त्रियां खुद को हर लिहाज से सुरक्षित महसूस करें, किसानों पर बेचारगी का ठप्पा लगाए बिना उन्हें उनका हक दिया जाए, जाति–धर्म–लिंग–धन सबका भेदभाव खत्म हो जाए। ऐसी आदर्श जिंदगी भारत के नागरिकों के हिस्से में आए, इसी उद्देश्य से संविधान की रचना की गई थी। संविधान निर्माता जानते थे कि ऐसा होने में वक्त लगेगा, लेकिन जिंदगी को बेहतर बनाने की प्रक्रिया चलती रहनी चाहिए, इसलिए कल्याणकारी राज्य की अवधारणा की गई और सरकारों को लोकतांत्रिक होने के साथ जनकल्याण के लिए फैसले लेने की राह दिखाई गई। इस राह पर चलने में किसी सरकार को शत प्रतिशत सफलता नहीं मिली। लेकिन इससे हटने की न किसी ने चेष्टा की, न ऐसा बड़बोलापन दिखाया कि अब तक जो नहीं हुआ, वो हमने कर दिखाया। मगर पिछले दस सालों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चल रही सरकार ने ऐसा दुस्साहस किया और उसमें देश को जो नुकसान हुआ है, उस पर अफसोस दिखाने की जहमत भी नहीं उठाई जा रही है। साल 2014 में युवाओं को दो करोड़ नौकरियां हर साल देने का वादा किया गया था, साल 2024 के आखिरी में युवाओं को पर्चा लीक की शिकायत पर लाठियां खानी पड़ी। साल 2014 में किसानों से वादा था कि 2022 तक उनकी आय दोगुनी हो जाएगी, साल 2024 खत्म हो गया लेकिन किसानों को अब भी अपने हक के लिए सड़क पर बैठना पड़ रहा है। पिछले साल चुनावों में भाजपा के लिए वोट मांगते–मांगते नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं को डराया कि कांग्रेस सरकार आई तो आपके मंगलसूत्र चुरा लेगी, अब पता चल रहा है कि सामान्य जरूरतें पूरी करने के लिए लोगों को अपने गहने, सोना गिरवी रखने पड़ रहे हैं। देश किस हाल में चल रहा है, ये उसके कुछ उदाहरण मात्र हैं। आम जनता बेहद पीड़ा, तकलीफों से गुजरती हुई, कठिन हालात का सामना करती हुई जीवन गुजार रही है और प्रधानमंत्री के शुभकामना संदेश में इन पर आश्वस्ति के दो बोल भी नहीं हैं। केवल आभासी बातों से नए साल गुजारने के संकेत उन्होंने दिए हैं।

वैसे उनसे इससे ज्यादा उम्मीद भी क्या की जाए। जब डेढ़ साल से तबाह हो गए मणिपुर पर वे चुप लगाकर बैठे हैं और वहां के लोग किस हाल में हैं, ये जानने के लिए वे मणिपुर अब तक नहीं गए हैं। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह भी प्रधानमंत्री मोदी के ही नक्शे कदमों पर चल रहे हैं। नए साल पर उन्होंने भी एक संदेश अपनी जनता के नाम दिया है। उन्होंने राज्य के लोगों से माफी मांगी और मई 2023 से अब तक राज्य में हुई जातीय हिंसा के लिए श्खेदश जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्यह पूरा साल बहुत दुर्भाग्यपूर्ण रहा है। मुझे अफसोस है और मैं राज्य की जनता से कहना चाहता हूं कि पिछले 3 मई से आज तक जो कुछ हो रहा है, उसके लिए मैं राज्य की जनता से माफी मांगना चाहता हूं। तमाम लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया। कई लोगों ने अपना घर छोड़ दिया। मुझे सचमुच अफसोस हो रहा है। मैं माफी मांगना चाहूंगा।श मुख्यमंत्री ने कहा– श्अब, मुझे उम्मीद है कि नए साल 2025 के साथ, राज्य में सामान्य स्थिति और शांति बहाल हो जाएगी। मैं राज्य के सभी समुदायों से अपील करता हूं कि जो भी हो, जो हुआ, सो हुआ। हमें अब पिछली गलतियों को भूलना होगा और एक शांतिपूर्ण मणिपुर, एक समृद्ध मणिपुर के लिए एक नया जीवन शुरू करना होगा।

कितना आसान है इस तरह का खेद प्रकट करना और नए सिरे से सब कुछ शुरु करने की नसीहत देना। याद कीजिए कि गोधरा कांड के 9 साल बाद सितंबर 2011 में अपने जन्मदिन से शुरु करके नरेन्द्र मोदी ने तीन दिन का सद्भावना उपवास रखा था। लेकिन क्या इससे गुजरात में हिंदू–मुसलमान के बीच बनी खाई पाटी जा सकी। क्या बिल्किस बानो को फिर भी इंसाफ के लिए लंबी लड़ाई नहीं लड़नी पड़ी। तब नरेन्द्र मोदी ने इस्तीफा नहीं दिया था, अटल जी की सलाह पर राजधर्म का पालन नहीं किया था। अब बीरेन सिंह इस्तीफा नहीं दे रहे, उन्होंने केवल इसका दिखावा किया था। उन्हें राजधर्म के पालन की सलाह भी नहीं दी जा रही। अब वे सैकड़ों निर्दोष जानों की अकाल मौत पर अफसोस जता रहे हैं और कह रहे हैं कि जो हुआ सो हुआ। लेकिन क्या उनके कहने से उन लोगों के जीवन का खालीपन भरेगा, जिनके अपनों को बेमौत मारा गया। कुकी और मैतेई समुदायों के बीच अविश्वास की गहरी खाई क्या एक औपचारिक संदेश से भर जाएगी। जहां एक राज्य के भीतर दो समुदायों के बीच सीमा रेखा खींच दी गई हो, क्या वो लकीर मुख्यमंत्री मिटा पाएंगे। क्या उन महिलाओं को इंसाफ मिलेगा, जिन्हें बलात्कार और निर्वस्त्र जुलूस निकालने के पैशाचिक अत्याचार को सहना पड़ा।

जाहिर है ऐसा कुछ नहीं होगा और जैसे सद्भावना उपवास का खोखलापन अब और विद्रुपता के साथ नजर आ रहा है, वैसा ही खोखला बीरेन सिंह का अफसोस भी है। अगर मणिपुर को लेकर भाजपा वाकई चिंतित और परेशान है तो अब तक बीरेन सिंह अपने पद को छोड़ चुके होते या कम से कम प्रधानमंत्री मोदी से यह कहने की हिम्मत दिखाते कि आप एक बार मणिपुर आकर लोगों को सांत्वना दें। वैसे श्री मोदी ने एक ट्वीट बीरेन सिंह को जन्मदिन की शुभकामनाओं का भी किया है। मगर उनके अफसोसनामे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। साल 2025 सत्ता पर काबिज लोगों के खोखलेपन से देश को महफूज रखे फिलहाल यही कामना की जा सकती है।

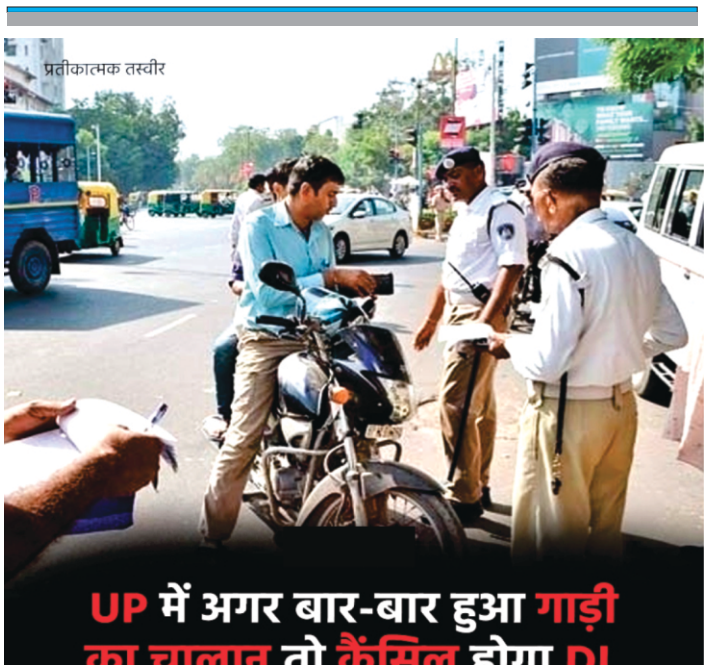

बावड़ी की दूसरी मंजिल में टूटा हुआ मिला कुएं का गेट...

अब नहीं निकल रही गैस, खोदाई के काम में लगे मजदूर

संभल। चंदौसी में मोहल्ला लक्ष्मणगंज की बावड़ी में कुएं की तलाश में खोदाई का कार्य शुरू हो गया है। अभी गैस नहीं निकल रही है। गैस निकलने की वजह से गुरुवार को काम बंद कर दिया गया था। संभल के चंदौसी में मोहल्ला लक्ष्मणगंज में बावड़ी की पूरी इमारत को तलाशने का काम जारी है। वीरवार को दूसरी मंजिल पर सीढ़ियों के सामने मिले गेट के अंदर मौजूद कुएं का गेट टूटा हुआ मिला। फिलहाल कुएं की तलाश में संभलकर खोदोई का काम शुरू कर दिया गया है। अभी गैस नहीं निकल रही है। इससे पहले बुधवार को करीब 30 फीट नीचे तक खोदाई हो चुकी थी। वहीं, बावड़ी में सीढ़ियों के सामने से कुएं की तलाश में चल रहा खोदाई का काम गैस निकलने पर दोपहर के समय रोक दिया गया था। एहतियातन एएसआई टीम के सदस्य ने मजदूरों को गेट के अंदर जाने से मना कर दिया था। चंदौसी में बावड़ी की तलाश में 21 दिसंबर को शुरू हुआ खोदाई का काम जारी है। बुधवार सुबह करीब 10 बजे नगरपालिका परिषद की सेनेटरी इंस्पेक्टर प्रियंका सिंह टीम और कोकलाइन जेसीबी के साथ मौके पर पहुंची।

बावड़ी को अस्तित्व में लाने के लिए खोदाई का काम शुरू किया गया। मजदूरों की एक टीम सीढियों से मिट्टी हटाते हुए बावड़ी की दूसरी मंजिल की ओर से कुएं की तरफ बढ़ने लगी। 25 सीढ़ियों तक खोदाई के बाद सामने की ओर कुएं का गेट नजर आने लगा। जो धंसा हुआ था। दोपहर करीब दो बजे गेट से मिट्टी निकाली गई, तो अंदर कुछ खाली स्थान के साथ ही एक ईंटों का गोल गेट नजर आने लगा। वहीं हल्के धुएं के साथ गैस निकलने लगी। इसके बाद एएसआई के सदस्य ने मजदूरों का अंदर जाने से रोक दिया। इसके बाद उस स्थान पर मिट्टी निकालने का काम बंद कर दिया गया। हालांकि, गैस जहरीली नहीं बताई गई है। वीरवार को खोदाई फिर से शुरू करवाई गई। मौके पर बड़ी संख्या में अधिकारी जमे हैं।

डीआरएम ने एजेंसी पर ठोंका जुर्माना

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को उठाने के लिए ठंडा पानी डालना पड़ा भारी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर सो रहे यात्रियों पर पानी डालने के मामले में सफाई एजेंसी पर 10 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया है। घटना का वीडियो एक्स पर वायरल हो गया था। चारबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर आठ व नौ पर ट्रेन के इंतजार में सो रहे यात्रियों पर सफाईकर्मियों ने पानी डालकर जगाया था। मामले की पड़ताल के बाद डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा ने 10000 रुपये का जुर्माना लगाया है साथ ही दोबारा शिकायत आने पर सख्त कार्रवाई की हिदायत दी है। मामला बीते है। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के चारबाग स्टेशन पर सफाईकर्मियों के यात्रियों पर पानी डालने का वीडियो सोशल मीडिया एक्स पर वायरल हुआ था। राजू यादव ने डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा को वीडियो शेयर किया था, जिसमें सफाईकर्मी प्लेटफॉर्म धुलने के लिए सो रहे यात्रियों पर पानी डालकर जगा रहे थे। प्लेटफॉर्म आठ व नौ नंबर की ओर खम्मनपीर मजार है। यहां से चलने वाली ट्रेनों से सफर करने वाले व मजार पर आने वाले अक्सर प्लेटफॉर्म पर रुक जाते हैं। वायरल वीडियो में स्पष्ट नजर आ रहा था कि प्लेटफॉर्म पर सो रहे यात्रियों पर पानी डालकर सफाईकर्मी जगा रहे थे। सोने वालों में बच्चे भी शामिल थे। इससे उन्हें असुविधाएं हुई तथा अपने कंबलों को लेकर हटना पड़ा। सफाईकर्मियों का कहना था कि प्लेटफॉर्म की धुलाई व सफाई के लिए रात में आसानी से काम हो जाता है। दिन में ट्रैफिक के चलते धुलाई नहीं हो पाती है। हालांकि, वीडियो वायरल होने के बाद डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा ने जांच के आदेश दिए थे। जांच में सफाईकर्मी दोषी पाए गए। डीआरएम ने बताया कि सफाई एजेंसी पर 10000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रेलवे प्रशासन जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य किया जा रहा है।

यूपी सरकार के मंत्री ने लगाया षड्यंत्रों का आरोप, अनुप्रिया बोलीं डरेंगे नहीं.. सवाल उठाते रहेंगे

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में अपना दल एस के पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि में 29 नवंबर को अस्पताल में भर्ती हुआ था, मेरी चार सर्जरी हुई हैं। अब हमें पार्टी के काम में जुट जाना है। हम महापुरुषों की जयंती और पुण्यतिथि पर कार्यक्रम करेंगे। पिछले कुछ दिनों से मैं ज्यादा खबरों में हूं। पूरी ताकत लगाई जाती के ना दिखूं लेकिन मेरा सकारात्मक हिस्सा छुपाया जाता है, नकारात्मक दिखाया जाता है। अब लड़ना है या डरना है, मैं सरदार पटेल का बेटा हूं, लडूंगा अब डरूंगा नहीं। उन्होंने कहा कि मैं षड्यंत्रों से डरने वाला नहीं हूं। सीबीआई से जांच करवाएं। डरते क्यों हैं? अखबार में 17 सौ करोड़ का दुरुपयोग करके सूचना विभाग का दुरुपयोग करके मान मर्दन ना करें। ईंट का जवाब पत्थर से दूंगा, थप्पड़ खाकर चुप नहीं बैठूंगा। चौदह में से सात वंचित वर्ग के डायरेक्टर बनाया ये मेरी गलती है। पिछड़ों को मौका दिया है। ये मेरी गलती है और मैं ये करता रहूंगा। डरूंगा नहीं, डरा दीजिए जितना डराएंगे आप। आपके पास तंत्र है तो मेरे पास जनतंत्र है।

मेरी और मेरी पत्नी संपत्ति की जांच करा लें। एक धरना मास्टर है जिसे प्रायोजित किया जाता है और धरने पर बैठा दिया जाता है। एसटीएफ के किस अधिकारी ने दो लोगों को धरने पर बैठाने के लिए भेजा है पता कर लें। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। स्पेशल टास्क फोर्स वाले पैर पर गोली मारते हैं, हिम्मत है तो सीने पर गोली मारो।

डराकर बंद नहीं कर सकते 69000 शिक्षक भर्ती का मुद्दा

आशीष पटेल ने कहा कि 69 हजार की भर्ती का विषय डरा कर नहीं बंद करा सकते। सबको पता है कि खेल कहां से हो रहा है। हमने बहुत दिन मंत्री पद ले लिया। धरना मास्टर के मोबाइल का कॉल रिकॉर्ड खुलवा लें। कहां से ऑपरेट हो रहीं सब सामने आ जाएगा। धरना मास्टर 69 हजार वाले मामले पर बैठेंगी? औकात नहीं है मार डंडा और थप्पड़ ठीक कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि मेरी सुरक्षा आप कार्यकर्ता करें। मैं आपके भरोसे हूं। 69 हजार भर्ती का विषय हम नहीं छोड़ेंगे। 2012 का चुनाव याद करिए, इतने बड़े आदमी से लड़ लिए तो आज क्या डर। मेरी तो मरी हुई कार्बाइन वाली सुरक्षा है।

आपके पास 17 सौ करोड़ रुपया है ना। मैं तो भिखारी आदमी हूं। आप मर्यादा लांघेंगे तो मैं भी मर्यादा भूल जाऊंगा। जो चौनल आपने इस्तेमाल किया वो चौनल गलत है, जाइए प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व को स्वीकार करिए, आपका इतिहास सबको पता है, जहां खाया वहीं छेद कर दिया। हमारी नेता की संपत्ति ले गईं, वो चुप हैं, छोटी बहन ने मुकदमा किया और आज तक केंद्रीय मंत्री की शिकायत पर कोई जांच नहीं हुई तो फिर क्यों धरना नहीं देंगी। जिस विधानसभा में सिर्फ विधायक जा सकता है वहां एसटीएफ किसे भेजते हैं। यूपी का एक महत्वपूर्ण व्यक्ति धरने से उठाने भी जाता है तो और कैसे दिखाएं कि ये सब प्रायोजित है । जितनी चाभी भरी राम ने उतना चला खिलौना। आशीष पटेल ने कहा प्रधानमंत्री सिर्फ भाषण नहीं देते, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय में, नीट की परीक्षा में, ओबीसी आयोग को दर्जा देने में उन्होंने हमेशा काम किया है। हम उनका हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। खिलौनों से डरेंगे नहीं, लड़ेंगे और थप्पड़ का जवाब थप्पड़ से देंगे।

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल बोलीं– किसी भी नेता– कार्यकर्ता की प्रतिष्ठा पर आंच आई तो नहीं छोड़ेंगे

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा क आपके नेता ने आपके बीच कुछ बातें साझा की, उनके मन में कुछ पीड़ा थी इसलिए उन्होंने इस बात को कहा। अपना दल के किसी भी कार्यकर्ता या नेता की प्रतिष्ठा पर आंच आएगी तो हम कतई समझौता नहीं करने वाले हमें जवाब देना आता है। अपना दल के खिलाफ जो षडयंत्र चल रहे हैं वो कहां, किसके इशारे पर चल रहे हैं हमारा एक एक कार्यकर्ता जानता है। जब हम पिछड़ों के हक मारने पर सवाल करते हैं तो किसी ना किसी के पेट में दर्द जरूर होता है लेकिन हम न किसी से डरेंगे, ना झुकेंगे ना पीछे हटेंगे। कोई कितना भी क्यों ना डराए, संगठन की ताकत से उन्हें जवाब दें ये सारे षड्यंत्रकारी एक कोने में हो जाएंगे।

कंबल मिले खिल उठे चेहरे, अलाव जल रहे या नहीं, खुद जांचा

संत कबीर नगर। डीएम महेंद्र सिंह तंवर देर रात शहर के भ्रमण पर निकले। इस दौरान उन्होंने स्टेशन पूरवा स्थित रैन बसेरा, रेलवे स्टेशन तथा मेंहदावल बाईपास आदि का स्थलीय निरीक्षण किया। रैन बसेरा के निरीक्षण के दौरान डीएम ने वहां पर रुके लोगों से बातचीत की तथा व्यवस्था के संबंध में जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने मंगलवार की देर रात शहर के रैन बसेरा और जलवाए गए अलाव स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान डीएम ने रैन बसेरा में ठहरे लोगों से सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। साथ ही असहाय लोगों में कंबल का वितरण किया।

डीएम महेंद्र सिंह तंवर देर रात शहर के भ्रमण पर निकले। इस दौरान उन्होंने स्टेशन पूरवा स्थित रैन बसेरा, रेलवे स्टेशन तथा मेंहदावल बाईपास आदि का स्थलीय निरीक्षण किया।

मेंहदावल बाईपास पर अलाव का निरीक्षण करते डीएम महेंद्र सिंह। रैन बसेरा के निरीक्षण के दौरान डीएम ने वहां पर रुके लोगों से बातचीत की तथा व्यवस्था के संबंध में जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि रात में खुले आसमान में कोई आम जनमानस न रहें, इस बात का विशेष ख्याल रखा जाए। भ्रमण के दौरान रेलवे स्टेशन तथा मेंहदावल बाईपास पर असहाय लोगों को कंबल का वितरण किया तथा पर्याप्त मात्रा में अलाव जलाने के लिए नगर पालिका खलीलाबाद के अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया। इस दौरान एसडीएम सदर शैलेश दुबे, क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक व लेखपाल आदि उपस्थित रहे।

12 साल में 3 गुना बड़ा हुआ महाकुंभ

28 करोड़ ज्यादा श्रद्धालु आएंगे, 200 चार्टर्ड प्लेन उतरेंगे

प्रयागराज। मैं 2013 के महाकुंभ में भी आया था। उस व्यवस्था और व्यवस्था में बहुत अंतर है। सुविधाएं बढ़ गई हैं। पहले हमारे कैंप में 3 शौचालय थे, अबकी बार 11 मिले हैं। पहले हमें 2 नल मिलते थे, अब 6 नल मिले हैं। ऐसा मध्य प्रदेश के विदिशा में रहने वाले नवल रघुवंशी का कहना है। नवल हर साल परिवार के साथ मेला क्षेत्र में कल्पवास करने आते हैं। कैंप में 20 परिवार कल्पवास करते हैं। नवल की बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि महाकुंभ 2025 'दिव्य' के साथ बेहद 'भव्य' होने जा रहा है।
इस बार सरकार 5 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च कर रही है। पिछले कुंभ के मुकाबले इस बार 3 गुना से ज्यादा श्रद्धालु आएंगे। 2013 में 12 करोड़ श्रद्धालु आए थे, इस बार 40 करोड़ के आने का अनुमान है। यानी 28 करोड़ ज्यादा। इसके लिहाज से मेले का आकार भी बढ़ाया गया है। 40 वर्ग किलोमीटर को सजाया और चमकाया जा रहा। कुंभ नगर की सुरक्षा को अभेद किले की तरह पुख्ता किया गया है। कुंभ नगर के मास्टर प्लान पर तेजी से काम चल रहा है। प्रचार इस तरह किया जा रहा कि कुंभ मेला शुरू होने के 20 दिन पहले ही भीड़ के चलते डेढ़ किलोमीटर पहले ही बैरिकेड लगा कर गाड़ियों को रोका जा रहा है।

बजट

4 गुना बजट बढ़ा, पिछली बार पूरा खर्च नहीं हो पाया

इस बार महाकुंभ का बजट 5060 करोड़ रुपए है। केंद्र सरकार ने 2100 करोड़ महाकुंभ के लिए दिए हैं।

2013 में कुंभ के समय राज्य में समाजवादी पार्टी (SP) की सरकार थी। अखिलेश यादव मुख्यमंत्री थे।

इस भव्य आयोजन के लिए 1214 करोड़ का बजट दिया गया था। हालांकि मेले पर कुल खर्च 1017 करोड़ 37 लाख रुपए हुआ।

2025 के महाकुंभ का बजट 2013 से 4,043 करोड़ रुपए ज्यादा है।

एरिया

2400 हेक्टेयर बढ़ा मेले का क्षेत्रफल, 30 पांटून पुल बने

एरिया: 2013 में कुंभ मेला 16 वर्ग किलोमीटर एरिया में था। इस बार 2400 हेक्टेयर बढ़ा दिया गया है। क्षेत्रफल 40 वर्ग किलोमीटर किया है। पिछली बार से ढाई गुना ज्यादा।

पांटून पुल: पिछले कुंभ में गंगा पर 18 पांटून पुल बनाए गए थे। इस बार इनकी संख्या 30 है, जिनमें 15 पुल संगम के बेहद करीब बनाए गए हैं। पांटून पुल अस्थायी होते हैं, बड़े-बड़े लोहे के पीपे पर पुल का स्ट्रक्चर तैयार होता है।

सेक्टर: पिछले कुंभ में मेला 14 सेक्टर में बंटा था। इस बार महाकुंभ को 25 सेक्टर में बांटा गया है।

सुविधाएं

30 हजार प्रतिदिन वाली वीआईपी टेंट सिटी, डेढ़ लाख टॉयलेट

वीआईपी टेंट सिटी बसाई जा रही। इसमें 150 महाराजा यानी VIP टेंट सिटी बनाई जा रही। इसका एक दिन का चार्ज 30 हजार रुपए से ज्यादा होगा। 1500 सिंगल रूम, 400 फैमिली टेंट भी तैयार हो रहे हैं। इसके अलावा डोम सिटी तैयार की गई है। जिसका किराया एक लाख से ज्यादा है।

महाकुंभ में डेढ़ लाख शौचालय बनाए जा रहे हैं। इनमें 300 मोबाइल शौचालय हैं। 2013 में कुल 33,903 शौचालय बनाए गए थे।

घाट पर करीब 10 हजार चेंजिंग रूम बनाए जाएंगे। 2013 के कुंभ में चेंजिंग रूम की संख्या ढाई हजार के करीब थी।

इस बार हाईटेक 10 खोया-पाया केंद्र बनाए हैं। अगर कोई व्यक्ति किसी भी सेक्टर में खो जाए, उसकी जानकारी मेले के हर केंद्र पर होगी। एलईडी पर उसकी फोटो आएगी।

ट्रांसपोर्ट

3 हजार स्पेशल ट्रेनें, बड़े शहरों से फ्लाइट कनेक्टिविटी

महाकुंभ के लिए रेलवे 3 हजार विशेष ट्रेनें चलाएगा, जो 13 हजार से ज्यादा फेरे लगाएंगी। रेलवे का आकलन है कि रोजाना 5 लाख यात्री जनरल कोचों से यात्रा करेंगे। प्रयागराज जंक्शन के अतिरिक्त शहर के 8 स्टेशन तैयार हो गए हैं।

यूपी रोडवेज की तरफ से 7 हजार से ज्यादा बसें चलेंगी। इनमें 200 एसी, 6800 साधारण और 550 शटल बसें शामिल होंगी।

प्रयागराज एयरपोर्ट से देश के करीब 23 शहरों के लिए सीधी उड़ानें होंगी। दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, भुवनेश्वर, लखनऊ, रायपुर, बेंगलुरु, अहमदाबाद, गुवाहाटी, कोलकाता के लिए फ्लाइट।

वीवीआईपी, विदेशी मेहमानों के 200 से ज्यादा चार्टर्ड प्लेन महाकुंभ में आएंगे। प्रयागराज एयरपोर्ट पर सिर्फ 15 विमानों की पार्किंग की जगह है। इसलिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने चार राज्यों के 11 एयरपोर्ट्स से पार्किंग के लिए रिपोर्ट मांगी है।

लाइट

रात भी दिन जैसी लगेगी; 391 करोड़ बिजली पर खर्च

महाकुंभ को भव्य दिखाने में बिजली का रोल महत्वपूर्ण रहने वाला है। इसलिए इस बार बिजली का बजट 391.04 करोड़ रखा गया है। 1532 किलोमीटर लंबी लाइन खींची जाएगी।

67,000 स्ट्रीट लाइट लगाई गई हैं। प्रमुख जगहों पर हाईमास्ट अलग से लगाया गया है। 85 अस्थायी नए बिजलीघर बने हैं।

170 सब-स्टेशन हैं। 85 डीजी सेट, 15 आरएमयू और 42 नए ट्रांसफॉर्मर लगाए गए हैं। 4 लाख 71 हजार लोगों को कनेक्शन दिया जा रहा है।

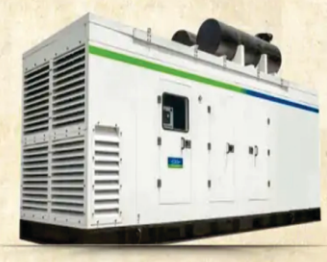

2013 में बिजली का कुल बजट 50 करोड़ के आसपास था। 22 हजार एलईडी लाइट्स लगाई गई थीं। इस साल 2004 हाईब्रिड सोलर लाइट लगाई जा रहीं।

संतों का दिव्य स्वरूप, सामने आईं महाकुंभ 2025 की मनमोहक तस्वीरें

महाकुंभ की औपचारिक शुरुआत 13 जनवरी 2025 से होगी।

महाकुंभ के 6 प्रमुख स्नान

13 जनवरी: पौष पूर्णिमा
14 जनवरी: मकर संक्रांति
29 जनवरी: मौनी अमावस्या
03 फरवरी: बसंत पंचमी
12 फरवरी: माघी पूर्णिमा
26 फरवरी: महाशिवरात्रि

महाकुंभ

जगह: प्रयागराज
13 जनवरी से 26 फरवरी 2025
बजट: 5 हजार करोड़ रुपए

खास बातें

40 करोड़ से ज्यादा लोगों के आने का अनुमान	**10 से ज्यादा** देशों के राष्ट्राध्यक्ष आएंगे	**13 अखाड़ों के** प्रमुख धर्मगुरु दो महीने तक रहेंगे

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री से लेकर हर मंत्री महाकुंभ में शामिल होंगे।

मेला 4 हजार हेक्टेयर (15,840 बीघा) में बसेगा। पहली बार 13 किलोमीटर लंबा रिवर फ्रंट बन रहा है। कुंभ के इस मेले में सुरक्षा पर विशेष फोकस किया गया है। पूरे मेले को 25 सेक्टर में बांटा गया है और इसी आधार पर कुल 56 थाने और 144 चौकियां बनाई जाएंगी।

इसमें नागरिक पुलिस की संख्या 18479 होगी। 1378 महिला पुलिसकर्मी तैनात रहेंगी। ट्रैफिक पुलिसवालों की संख्या 1405 होगी। सशस्त्र पुलिसकर्मियों की संख्या 1158 होगी। मेले में घुड़सवार पुलिस भी होगी।

इनकी संख्या 146 तय की गई है। परिवहन शाखा से जुड़े 230 पुलिसकर्मी होंगे। 340 जल पुलिस संगम व आसपास के घाट पर तैनात रहेंगे। 13,965 होम गार्ड्स की भी तैनाती होगी। मेले में किसी तरह की अराजकता या फिर साजिश को नाकाम करने के लिए एलआईयू के 510 जवानों की तैनाती होगी। 2013 के महाकुंभ में 22,998 पुलिसकर्मियों की तैनाती थी। 2019 के अर्ध कुंभ में 27,550 पुलिसकर्मी तैनात थे।

नया क्या

ड्रोन से निगरानी, 12 भाषाओं में गूगल चैटबॉट

महाकुंभ में आसमान के साथ, पानी के अंदर भी ड्रोन के जरिए निगरानी होगी। अंडर वाटर सेफ्टी के लिए पहली बार नदी के अंदर 8 किलोमीटर तक डीप बैरिकेडिंग की जाएगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कैमरे लगे हैं, जो हेड काउंट करेंगे। अगर किसी एक एरिया में 2 हजार लोगों के खड़े होने की जगह है, तो वहां 1800 होते ही संबंधित अफसर को जानकारी हो जाएगी।

कुंभ में 100 फेस रिकग्निशन कैमरे लगाए गए हैं। पुलिस रिकॉर्ड में पहले से संदिग्धों को आसानी से चिह्नित किया जा सकेगा। 2700 CCTV लगाए गए हैं।

> मेले में पहली बार गूगल नेविगेशन और एआई चैटबॉट का प्रयोग किया गया है। गूगल के जरिए कुंभ के हर हिस्से में श्रद्धालु पहुंच सकते हैं। एआई चैटपॉट के जरिए कुंभ से जुड़ी हर जानकारी हासिल कर सकते हैं। इसे हमने 12 भाषाओं में बनाया है।

विवेक चतुर्वेदी
अपर मेला अधिकारी

महाकुंभ में इंटरनेशनल लेवल के कुल 25 मेगा इवेंट होंगे। इसे विदेशी कंपनियों ने डिजाइन किया है। एक कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और दो इवेंट में पीएम नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। 10 से ज्यादा देशों के राष्ट्राध्यक्ष आएंगे।

2013 में भी धार्मिक और सांस्कृतिक प्रोग्राम हुए थे, लेकिन उस वक्त प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और राष्ट्रपति नहीं आए थे। तत्कालीन सीएम अखिलेश यादव 5 से ज्यादा बार आए थे।

श्रद्धालु

40 करोड़ श्रद्धालु आएंगे, मौनी अमावस्या पर 4 करोड़ का अनुमान

यह कुंभ भीड़ के मामले में नया रिकॉर्ड बनाने जा रहा है। प्रशासन की तैयारी और उम्मीद के मुताबिक 40 करोड़ से ज्यादा लोग 42 दिन चलने वाले इस मेले में शामिल हो सकते हैं।

5 शाही स्नान में सबसे अधिक भीड़ 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर होगी। उस दिन 4 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

2013 के महाकुंभ में 12 करोड़ लोग शामिल हुए थे। मौनी अमावस्या पर 3 करोड़ लोग आए थे।

मेले में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कैमरे लगे हैं, जो हेड काउंट करते हैं।

सुरक्षा

38 हजार ज्यादा जवान तैनात होंगे, 56 थाने बने

2013 के कुंभ को 14 सेक्टरों में बांटा गया था। लगभग 12,000 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। इनमें 12 ASP, 30 सीओ, 409 इंस्पेक्टर और 4,913 सिपाही शामिल थे।

महाकुंभ-2025 में 56 थाने और 144 चौकियां बनाई गई हैं। अभी यूपी में सिर्फ कानपुर में सबसे ज्यादा 52 थाने हैं। 2 साइबर थाने अलग से बनाए गए हैं। हर थाने में साइबर डेस्क होगी।

> सिविल पुलिस, पीएसी, एनएसजी, एसटीएफ, होमगार्ड, डिफेंस और एनजीओ को मिलाकर मेले में 50 हजार से ज्यादा लोग सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे।

राजेश द्विवेदी
महाकुंभ के एसएसपी

प्रधानमंत्री मोदी से मिले दिलजीत दोसांझ

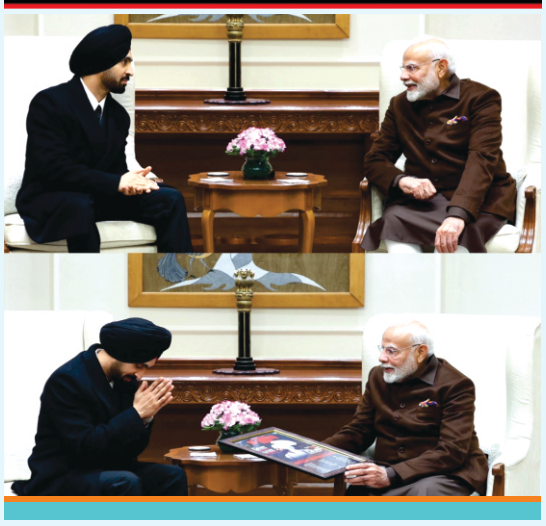

विजय शूटिंग रेंज में राजनाथ सिंह ने लगाया निशाना, तस्वीर को दें कैप्शन

बिजली गिरने से खेत में खड्डा, लोगों ने शिवलिंग मिलने का किया दावा

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां बारिश के दौरान बिजली गिरने से खेत में खड्डा हो गया और लोगों ने दावा किया कि उस गड्ढे में शिवलिंग दिखाई दिया है. बिजली गिरने के बाद शिवलिंग दिखने की खबर के बाद पूरे इलाके में हलचल मच गई है. लोगों ने उस स्थान पर पूजा पाठ शुरू कर दिया और वो इसे दैवीय घटना मान रहे हैं।

महाकुंभ में 'महाचूक' पकड़ा गया विदेशी

प्रयागराज। मेला क्षेत्र में एक रूसी नागरिक अवैध तरीके से घूमते हुए पकड़ा गया। जांच में पता चला कि वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी वह पिछले चार महीने से चोरी–छिपे देश में रह रहा था। उसने मेला क्षेत्र के सेक्टर 15 स्थित कैंप में ठिकाना बना रखा था। पुलिस ने उसे वापस भेज दिया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, संदिग्ध लगने पर पुलिसकर्मियों ने उससे पूछताछ की तो वह घबराने लगा। जानकारी पर स्थानीय खुफिया एजेंसी के अफसर भी आ गए। जांच पड़ताल में विदेशी ने अपना नाम आंद्रे पॉफकॉप और खुद को रूस का बताया।

रेनबो कैंप में था ठहरा

दस्तावेजों की पड़ताल में मालूम हुआ कि उसके वीजा की अवधि सितंबर में ही एक्सपायर हो चुकी है। यह भी पता चला कि वह सेक्टर 15 में ही स्थित श्रद्धालुओं के रेनबो कैंप में ठहरा था। पिछले 15 दिनों से वह यहां रह रहा था। पूछताछ के बाद उसे कमिश्नरेट पुलिस को सौंप दिया गया। विस्तृत जांच पड़ताल के बाद आरोपी को विदेशिक पंजीकरण कार्यालय ले जाया गया। इसके बाद वहां से उसके निर्वासन के संबंध में कार्रवाई आगे बढ़ाते हुए उसे वापस भेज दिया गया। गौरतलब है कि तीन दिन पहले भी यहां तीन विदेशी पकड़े गए थे। हालांकि बाद में दस्तावेज प्रस्तुत किए थे, जिसके बाद उन्हें छोड़ दिया गया था।

अवैध तरीके से रहती मिली थी युगांडा की महिला

प्रयागराज में अवैध तरीके से विदेशी नागरिकों के रहने का यह पहला मामला नहीं है। चार महीने पहले यहां युगांडा की एक महिला सिविल लाइंस में अवैध तरीके से स्पा सेंटर में काम करते पकड़ी गई थी। वीजा एक्सपायर होने के बाद भी वह यहां चोरी छिपे रह रही थी। आरोप है कि वह स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार में भी शामिल थी। लगातार अवैध तरीके से विदेशियों के रहने के मामले सामने आने से स्थानीय खुफिया एजेंसियों की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं। रूसी नागरिक वीजा अवधि एक्सपायर होने के बाद भी मेला क्षेत्र में रहते मिला। विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए उसे निर्वासित किया गया है। मेला क्षेत्र में आने वाले विदेशियों का सत्यापन कराया जा रहा है। –**राजेश द्विवेदी, एसएसपी कुंभ**

विदेशी ने अपना नाम आंद्रे पाफकाप बताया-

सुरक्षा पर बड़ा सवाल, पकड़ा गया अवैध तरीके से ठहरा विदेशीय श्रद्धालु कैंप में बना चुका था ठिकाना

प्रयागराज में अवैध तरीके से विदेशी नागरिकों के रहने का यह पहला मामला नहीं है। चार महीने पहले यहां युगांडा की एक महिला सिविल लाइंस में अवैध तरीके से स्पा सेंटर में काम करते पकड़ी गई थी।

नीतीश के लिए दरवाजा खुला हैः लालू प्रसाद यादव

नीतीश कुमार ने सुना लालू यादव का आफर फिर मुस्कुराए हाथ जोड़े और चल दिए

पटना। नए साल की शुरुआत के साथ ही बिहार के राजनीतिक गलियारों में बदलाव की आहट भी तेज हो गई है। पूर्व सीएम लालू यादव ने एक बार फिर सीएम नीतीश कुमार को इंडिया गठबंधन में शामिल होने का ऑफर दिया है। इस पर नीतीश कुमार ने कुछ इस अंदाज में जवाब दिया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को आरजेडी अध्यक्ष लालू यादव के इंडिया ब्लॉक में वापस आने के प्रस्ताव पर कुछ अलग अंदाज में जवाब दिया। पत्रकारों द्वारा लालू के नए प्रस्ताव के बारे में पूछे जाने पर जेडी(यू) प्रमुख ने कहा, क्या बोल रहे हैं? बता दें कि नीतीश कुमार ने पिछले एक दशक में दो बार इंडिया ब्लॉक के घटक आरजेडी के साथ गठबंधन किया है।

हालांकि, लालू यादव के बेटे और उत्तराधिकारी तेजस्वी यादव ने स्थानीय समाचार चौनल को दिए साक्षात्कार में अपने पिता द्वारा की गई टिप्पणियों को कमतर आंकते हुए दावा किया कि आरजेडी सुप्रीमो ने केवल मीडिया की जिज्ञासा को शांत करने का प्रयास किया था। लालू ने कहा था, हमारे दरवाजे (नीतीश के लिए) खुले हैं। उन्हें भी अपने दरवाजे खोलने चाहिए।

इससे दोनों तरफ के लोगों की आवाजाही आसान हो जाएगी। यह टिप्पणी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस रुख की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें उन्होंने जेडी(यू) सुप्रीमो को एक साल से भी कम समय में होने वाले विधानसभा चुनावों में एनडीए के चेहरे के तौर पर पेश करने की बात कही है। इससे यहां मीडिया के एक वर्ग में अटकलों का बाजार गर्म हो गया है।

राजभवन में पत्रकारों ने नीतीश कुमार से सवाल पूछे, जहां वे नए राज्यपाल के तौर पर आरिफ मोहम्मद खान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। आरिफ खान और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी (दोनों ओर भाजपा) के साथ खड़े सीएम नीतीश कुमार से से जब लालू यादव की पेशकश पर उनकी टिप्पणी मांगी गई तो उन्होंने हाथ जोड़कर मुस्कुरा दिया। आगे दबाव डालने पर उन्होंने पूछा, आप क्या कह रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या राज्य सरकार अपना कार्यकाल पूरा कर पाएगी, तो आरिफ खान ने हस्तक्षेप करते हुए कहा, इस तरह के सवाल पूछने का यह सही समय नहीं है। आज खुशी का दिन है। हमें सिर्फ अच्छी चीजों के बारे में बात करनी चाहिए।

पुनीत केस में नया खुलासा–चर्चा में मनिका का इंस्टा पर किया ये पोस्ट, टाक्सिक माहौल और दुर्व्यवहार के बाद...

दिल्ली। बेंगलुरु के बाद दिल्ली में अतुल सुभाष जैसा मामला सनसनीखेज मामला सामने आया है। दिल्ली के मशहूर कैफे के मालिक पुनीत खुराना ने 31 दिसंबर की रात फांसी लगाकर अपनी जान दे दी है। इस बीच उनकी पत्नी की एक पोस्ट काफी चर्चा में है। दिल्ली में बंगलूरू के अतुल सुभाष जैसा सनसनीखेज मामला सामने आया है। वुडबॉक्स कैफे के मालिक पुनीत खुराना ने 31 दिसंबर की रात फंदा लगाकर जान दे दी। इससे पहले उन्होंने पत्नी मनिका पाहवा से फोन पर बात की थी, जिसकी ऑडियो रिकॉर्डिंग मिली है। आत्महत्या से पूर्व पुनीत ने 59 मिनट का वीडियो भी बनाया है, जिसमें उसने पत्नी और ससुराल वालों पर प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। उसके परिजनों ने कहा कि पुलिस ने पुनीत का मोबाइल फोन जब्त कर लिया और वीडियो नहीं दिया।

इस बीच, उनकी पत्नी मनिका की इंस्टाग्राम पर की गई एक पोस्ट काफी चर्चा में है।

उत्तर पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि मॉडल टाउन के कल्याण विहार में पुलिस पुनीत के घर पहुंची, तो वह बिस्तर पर मृत मिले। गले पर दुपट्टे के दबाव का निशान था। प्रारंभिक जांच में पत्नी से रकम के लेनदेन का विवाद सामने आया है। पुनीत के पिता ने बताया कि नौ साल पहले उन्होंने लड़की के परिवार को 1.65 करोड़ रुपये ब्याज पर दिए थे।

तलाक का चल रहा था मामला

पुनीत व मनिका की 2016 में शादी हुई थी, पर कुछ समय बाद ही विवाद शुरू हो गया। उनके बीच तलाक का मामला चल रहा था। अभी एक और राउंड कोर्ट में बात होनी थी। खुदकुशी से पहले फोन पर बातचीत में मनिका कह रही है कि फिर तुम धमकी दोगे, आत्महत्या कर लूंगा। जिस घर में पुनीत ने खुदकुशी की है, वह मनिका के नाम है।

महाकुंभ 2025 से पहले सामने आया अद्भुत नजारा, देखिए तस्वीरें

महाकुंभ मेले के लिए तैयार संगम नगरी

पाकेट में आसमान का प्रोमो जारी

लीड रोल में नजर आएंगे अभिका मालाकार और फरमान हैदर

एंटरटेनमेंट डेस्क। पॉकेट में आसमान शो का प्रोमो जारी कर दिया गया है। शो में मुख्य किरदारों में अभिका मालाकार और फरमान हैदर नजर आने वाले हैं। स्टार प्लस ने अपने नए शो पॉकेट में आसमान का नया प्रोमो जारी किया है। शो में अभिका मालाकार और फरमान हैदर लीड रोल में नजर आएंगे। जहां अभिका इसमें रुद्राणी (रानी) तो फरमान इसमें दिग्विजय का किरदार निभाते नजर आएंगे। शो के पहले प्रोमो से कहानी का अंदाजा जा सकता है।

ऐसी है सीरियल की कहानी

पॉकेट में आसमान की कहानी एक युवा गर्भवती महिला की है, जो अपने निजी जीवन की जिम्मेदारियों को संतुलित करते हुए डॉक्टर बनने के सपने को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्प लेती है। हालांकि, इस फैसले में उसे अपने पति के कारण बहुत सी रुकावटों का सामना करना पड़ता है।

परिवार और सपने के बीच जूझती रानी

प्रोमो में दिखाया गया है कि किस तरह रानी गर्भावस्था के दौरान मेडिकल का पेपर देने जाती है। इस दौरान उन्हें कॉलेज और घर दोनों जगह परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उनके पति दिग्विजय उनके फैसले का समर्थन करते हैं लेकिन एक शर्त रखते हैं कि उन्हें या तो अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना होगा या बच्चे पर। वह अपने पति से वादा करती है कि वे दोनों चीजें सही तरीके से पूरी करके दिखाएगी।

जल्द टीवी पर आएगा शो

बॉयहुड प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित पॉकेट में आसमान जल्द ही प्रसारित होने वाला है। खबरों की मानें तो ये शो इसी महीने जनवरी में आ सकता है। शो के किरदार फरमान हैदर को इससे पहले आइना और सावी की सवारी में देखा जा चुका है। अभिका ने इससे पहले तोमदर रानी में देखा गया। इसके बाद अब में पॉकेट में आसमान शो में नजर आने वाली हैं।

नए साल में बजेगा इन साउथ फिल्मों का डंका

साल 2025 में रिलीज होंगी ये साउथ फिल्में

साल 2025 में साउथ की कई फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार हैं। इस लिस्ट में कई बड़े सितारों का नाम शामिल है। आइए जानते हैं कौन-कौन सी फिल्में इस साल कब रिलीज होंगी।

नए साल में सिनेमाघरों में धमाल मचाएंगी साउथ की फिल्में, कई बड़े सितारों के नाम है शामिल

एंटरटेनमेंट डेस्क। साल 2024 में साउथ की कई फिल्मों ने सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन किया। दक्षिण भारतीय फिल्मों ने दर्शकों और समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया हासिल की। हालांकि, अच्छा प्रदर्शन करने वाली फिल्मों का नंबर काफी कम रहा। चाहे बॉलीवुड हो या साउथ गुजरा साल बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाया। अच्छी बात यह रही कि जाते-जाते अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' ने धमाकेदार प्रदर्शन किया। खैर, जो बीत गया सो बीत गया, अब बात करते हैं आने वाले साल की, जो फिल्म प्रेमियों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आ रहा है, खासकर साउथ के कई बड़े स्टार्स की फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। आइए जानते हैं साल 2025 में कौन-कौन सी साउथ इंडियन फिल्में कब रिलीज होंगी?

कांतारा: चैप्टर 1

ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा' ने साल 2022 में सिनेमाघरों में दस्तक दिया और बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। फिल्म की कहानी ने प्रशंसकों और समीक्षकों को काफी प्रभावित किया। अब लोगों को इसके दूसरे पार्ट का बेसब्री के साथ इंतजार है। यह फिल्म इस साल 2 अक्तूबर को रिलीज होगी।

गेम चेंजर

राम चरण की फिल्म 'गेम चेंजर' लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। इस साल जनवरी में यह फिल्म तहलका मचाएगी। यह फिल्म 10 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

राजा साहब

प्रभास की फिल्म 'राजा साहब' भी इस साल प्रशंसकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। 'कल्कि 2898 एडी' से लोगों का दिल जीतने के बाद उनकी फिल्म 'राजा साहब' 10 अप्रैल 2025 को रिलीज होगी।

कुली

साल 2024 में रजनीकांत की फिल्म 'वेट्टैयन' ने सिनेमाघरों में दस्तक दी। इस फिल्म में उनके साथ अमिताभ बच्चन भी नजर आए। बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन औसत रहा। अब साल 2025 में उनकी फिल्म 'कुली' रिलीज होगी। उनकी इस फिल्म का प्रशंसकों को काफी लंबे समय से इंतजार है। यह फिल्म 1 मई 2025 में रिलीज होगी।

थलपति 69

थलपति विजय राजनीति की दुनिया में कदम रख चुके हैं। उन्होंने फिल्म दुनिया से ब्रेक लेने का भी ऐलान कर दिया है। 'थलपति 69' उनकी आखिरी फिल्म होगी। उनकी इस फिल्म का प्रशंसक बड़ी ही बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म अक्तूबर तक रिलीज हो सकती है। हालांकि, इसके रिलीज डेट का अभी खुलासा नहीं किया गया है।

ठग लाइफ

साल 2024 में रिलीज हुई कमल हासन की फिल्म इंडियन 2 बुरी तरह फ्लॉप हुई। अब साल 2025 में अभिनेता मणिरत्नम की फिल्म 'ठग लाइफ' में लीड रोल में नजर आएंगे। उनकी यह फिल्म 5 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

विदामुयार्ची और गुड बैड अग्ली

साउथ अभिनेता अजित की दो फिल्में इस साल सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। उनके फैंस को इसका काफी लंबे समय से इंतजार है। 'विदामुयार्ची' इस साल पोंगल पर रिलीज हो सकती है। वहीं, 'गुड बैड अग्ली' 10 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

राजीव कपूर को शराब की लत लग गई थी

सुंदर खुशबू ने किया खुलासा, बोलीं- उनके निधन के एक दिन पहले मेरी बात हुई थी

मुम्बई। एक्टर ऋषि कपूर और रणधीर कपूर के सबसे छोटे भाई राजीव कपूर की मौत 58 साल में हो गई थी। मौत की वजह हार्ट अटैक थी। अब राजीव की करीबी दोस्त एक्ट्रेस खुशबू सुंदर ने हाल ही में खुलासा किया है कि एक्टर को शराब की गंदी लत थी।

खुशबू ने कहा- उन्हें दिल की बीमारी थी, लेकिन शराब की लत ने और ज्यादा समस्या पैदा कर दी थी। हम उनकी यह खराब आदत छुड़वा भी नहीं पाए।

'राजीव लंबे समय से बीमार थे'

विक्की लालवानी से बात करते हुए खुशबू ने बताया- वह (राजीव) बहुत उदास रहते थे। उनके घुटने में भी दिक्कत थी, इसलिए उन्होंने सर्जरी करवाई थी। लेकिन इससे उन्हें कोई फायदा नहीं हुआ। हम यह जानते थे कि चिम्पू (राजीव कुमार का निक नेम) बीमार थे। जब उनकी मौत हुई, तब मैं मुंबई में थी। मुझे बोनी कपूर ने उनकी मौत के बारे में बताया था। उन्होंने मुझे फोन किया और कहा- चिम्पू अब नहीं रहे। मेरे लिए यह बड़ा सदमा था।

खुशबू बोलीं- मौत से ठीक एक दिन पहले मैंने बात की थी

खुशबू ने कहा- मैंने चिम्पू से उनकी मौत से ठीक एक दिन पहले बात की थी। उन्हें बहुत तेज बुखार था और यह कोविड के दौरान की बात है। बीमार होने के बावजूद, वे हमेशा की तरह थे। हालांकि वह बीमारी को हल्के में ले रहे थे और जल्द ही मिलने का वादा किया था। उनकी मौत मेरे लिए एक सदमा थी। वे बहुत जिंदादिल थे। हमें अब भी लगता है कि वह हमारे साथ हैं।

खुशबू के फोन में सेव है राजीव का नंबर

खुशबू ने यह भी बताया कि उन्होंने अभी राजीव का नंबर डिलीट नहीं किया है। हालांकि उन्हें एक्टर के परिवार से संपर्क नहीं रखने का अफसोस है। राजीव के साथ अपनी दोस्ती के बारे में उन्होंने कहा- उन्होंने मुझे बहुत सी चीजें सिखाई हैं। मैं अपने पैरों की उंगलियों पर केवल सफेद नेल पेंट लगाती हूं क्योंकि चिम्पू ने एक बार मुझसे कहा था कि यह क्लासी है। उन्होंने मुझे 1983 में यह बताया था और आज तक, मैं केवल वही नेल पेंट लगाती हूं। उन्हें मेरा चलने का तरीका पसंद नहीं था, इसलिए उन्होंने मुझे बिना आवाज किए हील्स पहनकर चलना सिखाया था।

राम चरण ने गेम चेंजर के लिए फीस में की कटौती

डबल रोल के लिए ली इतनी रकम जानकर हो जाएंगे हैरान

एंटरटेनमेंट डेस्क। पैन इंडिया सुपरस्टार राम चरण इन दिनों अपनी आगामी पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म गेम चेंजर को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। यह फिल्म इस साल 10 जनवरी को रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज डेट जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, फिल्म को लेकर प्रशंसकों का उत्साह बढ़ता ही जा रहा है। आइए आपको बताते है कि फिल्म गेम चेंजर के लिए राम चरण के अलावा कियारा आडवाणी ने कितनी रकम वसूल की है। राजनीतिक ड्रामा फिल्म गेम चेंजर 10 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है, लेकिन उससे पहले आपको बताते है कि फिल्म गेम चेंजर में डबल रोल निभा रहे राम चरण ने इस फिल्म के लिए कितनी फीस वसूल की है। साथ ही फिल्म की लीड हीरोइन कियारा आडवाणी को फिल्म के लिए कितनी रकम मिली है।

आरआरआर की अपार सफलता के बाद, राम चरण कथित तौर पर एक फिल्म के लिए 100 करोड़ रुपये चार्ज करते हैं, लेकिन फिल्म गेम चेंजर की रिलीज में देरी की वजह से राम चरण ने आगामी फिल्म के लिए भुगतान में कटौती करने के लिए सहमत हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म गेम चेंजर के मूल समय सीमा को पूरा करने में विफल होने के बाद राम चरण ने अपने वेतन में कटौती की है। फिल्म की रिलीज में काफी देरी की वजह से अभिनेता को 65 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। एस शंकर ने फिल्म के लिए निर्देशन के लिए सिर्फ 35 करोड़ रुपये लिए, जबकि कियारा आडवाणी को कथित तौर पर 5 से 7 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गेम चेंजर को 450 करोड़ रुपये के भारी भरकम बजट पर बनाया गया है, जिसमें से 75 करोड़ रुपये फिल्म के चार गानों पर खर्च किए गए हैं। फिल्म के आधिकारिक संगीत भागीदारों ने बाद में एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें चार गानों के लिए चौंका देने वाली राशि को सही ठहराया गया। संगीत लेबल, सारेगामा ने खुलासा किया कि सभी चार गाने, जिसमें जरागांडी, रा माचा माचा, नाना हयाना और धोप सेटों के साथ बड़े पैमाने पर बनाए गए थे।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों का एलान, मनु भाकर-गुकेश समेत चार खिलाड़ियों को मिलेगा खेल रत्न

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2024 का एलान गुरुवार को कर दिया गया है। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू 17 जनवरी को राष्ट्रपति भवन में विजेताओं को सम्मानित करेंगी। मनु भाकर और डी गुकेश समेत चार खिलाड़ियों को खेल रत्न से नवाजा जाएगा। पेरिस ओलंपिक में दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की महिला निशानेबाज मनु भाकर और विश्व शतरंज चौंपियनशिप के विजेता भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश सहित चार खिलाड़ियों को खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। खेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2024 का एलान गुरुवार को कर दिया गया है। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू 17 जनवरी को राष्ट्रपति भवन में विजेताओं को सम्मानित करेंगी।

मनु और गुकेश के अलावा भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरालंपियन प्रवीण कुमार को भी खेल रत्न पुरस्कार दिया जाएगा। खेल मंत्रालय ने बयान में कहा, समिति की सिफारिशों और सरकार की जांच के आधार पर खिलाड़ियों, कोच, विश्वविद्यालयों को पुरस्कार देने का फैसला किया गया है।

मनु-हरमनप्रीत ने ओलंपिक, गुकेश ने विश्व चौंपियनशिप में किया प्रभावित

22 वर्ष की मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बनी थीं जिन्होंने अगस्त में पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक में ही हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारत ने लगातार दूसरे ओलंपिक में पदक जीता। 18 वर्ष के गुकेश सबसे युवा विश्व चौंपियन बने जो पिछले साल शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीम के ऐतिहासिक स्वर्ण पदक में भी सूत्रधार रहे थे। पैरा हाई जंपर प्रवीण ने पेरिस पैरालंपिक में टी64 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। यह उन खिलाड़ियों की श्रेणी है जिनका घुटने से नीचे एक या दोनों पैर नहीं होता है और वे दौड़ने के लिए कृत्रिम पैर पर निर्भर होते हैं।

34 खिलाड़ियों को मिलेगा अर्जुन पुरस्कार

खेल रत्न के अलावा 34 खिलाड़ियों को 2024 में खेलों में उत्कृट प्रदर्शन के लिए अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा जिसमें से एथलीट सुचा सिंह और पैरा तैराक मुरलीकांत राजाराम पेटकर को अर्जुन अवॉर्ड लाइफटाइम पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। बेहतर कोचिंग देने के लिए पांच लोगों को द्रोणाचार्य पुरस्कार मिलेगा, जिसमें बैडमिंटन कोच एस मुरलीधरन और फुटबॉल कोच अरमांडो एगनेलो कोलाको को लाइफटाइम वर्ग में शामिल किया गया है। फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार मिलेगा। वहीं, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय को ओवरऑल यूनिवर्सिटी विजेता के तौर पर मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी मिलेगी। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी फर्स्ट रनरअप और अमृतसर गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी सेकेंड रनरअप रही।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2024 विजेताओं की सूची

नाम	खेल
अर्जुन पुरस्कार	
ज्योति याराजी	एथलेटिक्स
अन्नु रानी	एथलेटिक्स
नीतू	मुक्केबाजी
स्वीटी	मुक्केबाजी
वंतिका अग्रवाल	शतरंज
सलिमा टेटे	हॉकी
अभिषेक	हॉकी
संजय	हॉकी
जर्मनप्रीत सिंह	हॉकी
सुखजीत सिंह	हॉकी
राकेश कुमार	पैरा-तीरंदाजी
प्रीति पाल	पैरा-एथलेटिक्स
सचिन सरजेराव खिलारी	पैरा एथलेटिक्स
धर्मबीर	पैरा एथलेटिक्स
प्रणव सूर्मा	पैरा एथलेटिक्स
एच होकातो सेमा	पैरा एथलेटिक्स
सिमरन	पैरा एथलेटिक्स
नवदीप	पैरा एथलेटिक्स
थुलासिमाती मुरुगेसन	पैरा बैडमिंटन
नित्या श्री सुमाथी सिवान	पैरा बैडमिंटन
मनीषा रामदास	पैरा बैडमिंटन
कपिल परमार	पैरा जूडो
मोना अग्रवाल	पैरा निशानेबाजी
रुबीना फ्रांसिस	पैरा निशानेबाजी
स्वप्निल सुरेश कुसाले	निशानेबाजी
सरबजोत सिंह	निशानेबाजी
अभय सिंह	स्क्वाश
साजन प्रकाश	तैराकी
अमन सहवारत	कुश्ती
अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम)	
सुचा सिंह	एथलेटिक्स
मुरलीकांत राजाराम पेटकर	पैरा तैराक
द्रोणाचार्य पुरस्कार	
सुभाष राणा	पैरा निशानेबाजी (नियमित वर्ग)
दीपाली देशपांडे	निशानेबाजी (नियमित वर्ग)
संदीप सांगवान	हॉकी (नियमित वर्ग)
एस मुरलीधरन	बैडमिंटन (लाइफटाइम वर्ग)
अरमांडो एगनेलो कोलाको	फुटबॉल (लाइफटाइम वर्ग)
मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी	
चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी	ओवरऑल विनर
लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी	प्रथम उपविजेता
अमृतसर गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी	द्वितीय उपविजेता
राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार	
फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया	

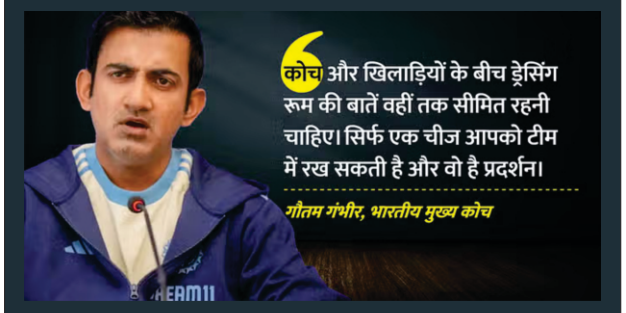

भारतीय क्रिकेट सुरक्षित हाथों में

स्पोर्ट्स डेस्क। मेलबर्न में मिली करारी हार के बाद ऐसी खबरें आई थी कि गंभीर ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों के प्रदर्शन से काफी नाराज हुए थे और उन्होंने कहा था कि बस अब बहुत हुआ। गंभीर ने साथ ही रणनीति के तहत नहीं खेलने पर भी खिलाड़ियों पर नाराजगी व्यक्त की थी। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सिडनी टेस्ट से पहले ड्रेसिंग रूम की बातें बाहर आने पर नाराजगी व्यक्त की है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुक्रवार से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर होने वाले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट से पहले गंभीर इस बात से खफा हुए कि खिलाड़ियों और कोच के बीच चर्चा मीडिया में लीक हो रही है जो अच्छी बात नहीं है।

खिलाड़ियों के साथ नाराजगी की आई थीं खबरें

मालूम हो कि मेलबर्न में मिली करारी हार के बाद ऐसी खबरें आई थी कि गंभीर ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों के प्रदर्शन से काफी नाराज हुए थे और उन्होंने कहा था कि बस अब बहुत हुआ। गंभीर ने साथ ही रणनीति के तहत नहीं खेलने पर भी खिलाड़ियों पर नाराजगी व्यक्त की थी। उल्लेखनीय है कि भारत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में फिलहाल 1-2 से पिछड़ रहा है।

खिलाड़ी-कोच की बातें ड्रेसिंग रूम तक रहें

गंभीर ने पांचवें टेस्ट से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, कोच और खिलाड़ियों के बीच ड्रेसिंग रूम की बातें वहीं तक सीमित रहनी चाहिए। भारतीय क्रिकेट तब तक सुरक्षित हाथों में है, जब तक ड्रेसिंग रूम में ईमानदार लोग मौजूद हैं। सिर्फ एक चीज आपको टीम में रख सकती है और वो है प्रदर्शन। टीम पहले की भावना सबसे ज्यादा मायने रखती है। खिलाड़ी अपना पारंपरिक गेम खेल सकते हैं, लेकिन टीम स्पोर्ट्स में व्यक्तिगत खिलाड़ी सिर्फ अपना योगदान देते हैं। हाल ही में कुछ मीडिया में खबरें चली थी कि मेलबर्न में चौथे टेस्ट में हार के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम में तनावपूर्ण माहौल हो गया था और गंभीर टीम के खिलाड़ियों के प्रदर्शन से काफी नाराज हुए थे। गंभीर ने इरादे और टीम हित के बीच टकराव के बारे में भी बात की थी। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वे चर्चा की गई योजनाओं को क्रियान्वित करने के बजाय अपने हिसाब से काम कर रहे हैं। उन्होंने चर्चा की थी कि सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद से बल्लेबाज पिछले कुछ समय से खराब प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि, इस दौरान उन्होंने किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया था।

चोटिल आकाश दीप रहेंगे बाहर

गंभीर ने इस बात की पुष्टि की है कि तेज गेंदबाज आकाश दीप ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट में नहीं खेल सकेंगे। उन्होंने कहा, तेज गेंदबाज आकाश दीप पीठ में दिक्कत के कारण बाहर हैं। मुझे उम्मीद है कि हम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा बरकरार रखने में सफल रहेंगे। सिर्फ इस बारे में बात होनी चाहिए कि हम किस तरह इस सीरीज में खेले हैं।

रोहित टेस्ट से संन्यास लेते हैं तो हैरानी नहीं होगी

शास्त्री ने कप्तान के भविष्य पर दिया बयान

स्पोर्ट्स डेस्क।शास्त्री का बयान ऐसे समय सामने आया है जब भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सिडनी टेस्ट से पहले यह बताने से इन्कार कर दिया था कि रोहित पांचवें टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 का हिस्सा होंगे या नहीं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास लेने के अटकलों के बीच पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने भी अपनी राय रखी है। शास्त्री का कहना है कि उन्हें हैरानी नहीं होगी अगर रोहित इस तरह का कोई निर्णय लेते हैं। शास्त्री का मानना है कि रोहित को बिना किसी बोझ के सिडनी टेस्ट में उतरना चाहिए। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुक्रवार से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का अंतिम मुकाबला खेला जाना है।

गंभीर के बयान के बाद शास्त्री ने रखी राय

शास्त्री का बयान ऐसे समय सामने आया है जब भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सिडनी टेस्ट से पहले यह बताने से इन्कार कर दिया था कि रोहित पांचवें टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 का हिस्सा होंगे या नहीं। मालूम हो कि रोहित के टेस्ट में भविष्य को लेकर काफी चर्चा चल रही है। गंभीर ने कहा था कि प्लेइंग-11 को लेकर फैसला मैच से ठीक पहले पिच देखने के बाद ही लिया जाएगा।शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू कार्यक्रम में कहा, अगर मैं कहीं भी रोहित के करीब होता तो रोहित शर्मा से कहता जाओ और धमाल मचाओ। फिलहाल वह जिस तरह से खेल रहे हैं वो अच्छा नहीं है। रोहित को बस विपक्षी गेंदबाज के खिलाफ आक्रामक होकर खेलना है, तब देखना उसके प्रदर्शन में कैसा सुधार देखने मिलता है। रोहित अपने करियर को लेकर फैसला लेगा, लेकिन मुझे हैरानी नहीं होगी अगर वह संन्यास का फैसला करे क्योंकि अब वह युवा नहीं है।

उन्होंने कहा, कई युवा खिलाड़ी हैं जो कतार में खड़े हैं, जैसे शुभमन गिल जिनका औसत 2024 में 40 का रहा। ऐसे खिलाड़ी को बेंच पर बैठा देखना आश्चर्यजनक है। इसलिए मुझे हैरानी नहीं होगी, लेकिन यह पूरी तरह से रोहित का फैसला होगा। अगर भारत विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लेता है तो चीजें अलग होंगी। वैसे रोहित के लिए अपने शानदार सफर को विराम लगाने का यह सही समय है।

खराब फश्र्म से जूझ रहे हैं रोहित

रोहित का खराब फॉर्म इस सीरीज में भारत के लिए चिंता का विषय रही है। पिछली तीन सीरीज में रोहित 15 पारियों में 10.93 के औसत से 164 रन ही बना पाए हैं। इन तीन में से दो सीरीज घरेलू थी। रोहित ने इस दौरान सिर्फ एक अर्धशतक लगाया है। मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर रोहित 31 रन ही बना पाए हैं।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः- 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।